तापमान
अधिकतम 22.5 डिग्री
न्यूनतम 6.5 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि

रोहतक, रविवार 14 दिसंबर 2025

11 शहर में 2.33 करोड़ से होंगे विकास कार्य

12 बीस हजार के लेनदेन में की थी दोस्त की हत्या

LEARNING TODAY, LEADING TOMORROW
GLOBAL EXPOSURE | INDIAN ETHOS | LIMITLESS FUTURE

Future Ready Education
Montessori and Waldorf foundations blended with modern pedagogy:
- English Language Lab
- Global Coding Curriculum
- Social–Emotional Learning
- Project-Based Classrooms

Only school offering competency-Based Teaching, Learning & Assessments

Boarding
"Training for life"
State-of-the-art air-conditioned residences for boys and girls, creating a safe, nurturing, and inclusive home away from home.

Global Exposure
"Creating globally aware citizens"
International exchange programs, leadership seminars, and collaborative projects with schools across the globe.

RISHIKUL VIDYAPEETH SONEPAT HARYANA

Creating Global Citizens since 1991

AN INTERNATIONAL FLAGSHIP DAY/BOARDING K-12 SCHOOL

ADMISSION OPEN

FOR CLASSES
PRE-NURSERY- IX & XI
SESSION 2026 - 2027

ADMISSION HELPLINE
+91 9416074444

Devru Road, Sonepat 131001 (Haryana)India

info@rishikulvidyapeeth.edu.in
www.rishikulvidyapeeth.edu.in
#rishikul | #rishikulvidyapeeth

No. 1 in Sonepat
No. 2 in Haryana

brainfeed SCHOOL EXCELLENCE AWARDS 2025

INDIA SCHOOL RANKING 2026-27

Rishikul Edge + CBSE
250+ Co-curricular Pathways: Artificial Intelligence, Robotics, Theatre, Art, Photography, Innovation Lab, NCC, School Band & more.

Athletes in the making
The Rishikul Multisports Centre trains students in 16+ sports disciplines, guided by professional coaches — building national-level champions and lifelong discipline.

City Topper 2025
Class XII with **99%**
Proof that excellence is not an act, but a habit at Rishikul.

Merit Rewarded
Over 50 Lacs
in annual scholarships for excellence in academics, leadership and sports.

खबर संक्षेप

घर में घुसकर हमला करने का आरोप

सांपला। कस्बे के वार्ड नंबर दस निवासी कृष्ण ने आधा दर्जन लोगों पर घर में घुसकर मारपीट करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। उन्होंने शिकायत में बताया कि दो दिन पहले कस्बे के ही युवक के साथ झगड़ा हो गया था। अब रात को आधा दर्जन लोग उसके घर पर आए और उस पर हमला कर दिया। जिसमें वह घायल हो गया।

दो लोगों के खाते से 79 हजार रुपए निकाले गए

सांपला। कस्बे में साईबर ठगों ने दो लोगों के खाते से करीब 79 हजार रुपए निकाल लिए गए। पुलिस ने जयभगवान और उत्तम के बयान पर अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। बिहार निवासी उत्तम ने पुलिस शिकायत में बताया कि वह नया बास गांव में रहता है। शुक्रवार को उसके पास एक फोन कॉल आई। उन्होंने मुझे एक स्कीम के बारे में बताया। बाद में एक लिंक भेजा कहा कि इसको क्लिक करें। जैसे मैंने उस लिंक पर क्लिक किया तो कुछ ही देर बाद उसके खाते से 40 हजार रुपए निकाल लिए गए। इसकी शिकायत पुलिस में की गई।
वहीं गढी सांपला निवासी जयभगवान के खाते से भी ठगों ने 39 हजार रुपए निकाल लिए।

पुलिस ने जारी की सड़क सुरक्षा एडवाइजरी

रोहतक। पुलिस ने मौजूदा मौसम को देखते हुए सर्दियों में धुंध और कोहरे के दौरान सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के लिए यातायात एडवाइजरी जारी की है। पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र सिंह भौरिया ने कहा कि कोहरे के मौसम में थोड़ी सी सावधानी न केवल आपकी, बल्कि सड़क पर चल रहे अन्य लोगों की सुरक्षा भी सुनिश्चित कर सकती है। धुंध के कारण सड़कों पर दृश्यता कम हो जाती है, ऐसे में वाहन चलाते समय अतिरिक्त सतर्कता आवश्यक है। वाहन चालकों से आग्रह किया गया है कि वे निर्धारित गति सीमा का पालन करें और धीमी गति से वाहन चलाएं।
धुंध के दौरान मोबाइल फोन और म्यूजिक सिस्टम के उपयोग से बचें, ताकि पूरा ध्यान सड़क पर केंद्रित रहे। वाहन चालकों को यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि उनके वाहन की हेडलाइट, टेल लाइट, फॉग लाइट, इंडिकेटर, ब्रेक, टायर, विंडस्क्रीन वाइपर, बैटरी और हीटिंग सिस्टम पूरी तरह से सही स्थिति में हों।

खेड़ी तगा में घटना, ग्रामीणों ने तुरंत मलबा हटाकर घायलों को बाहर निकाला

श्मशान घाट में निर्माणाधीन बरामदे का लेंटर गिरने से दो मजदूर घायल

घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मची

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

गांव खेड़ी तगा स्थित श्मशान घाट में निर्माणाधीन बरामदे का लेंटर शनिवार को अचानक टूटकर गिर गया। हादसे के समय लेंटर से नीचे गिर कर दो मजदूर नीचे गिर कर घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद ग्रामीणों ने तुरंत मलबा हटाकर घायल मजदूरों को बाहर निकाला और उपचार के लिए गन्नौर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत द्वारा श्मशान घाट में अंतिम संस्कार के दौरान लोगों के बैठने की सुविधा के लिए बरामदे का निर्माण कराया जा रहा था।

गन्नौर । श्मशान घाट में निर्माणाधीन बरामदे का टूट कर गिरे लेंटर का मलबा तथा हादसे में घायल हुआ मजदूर जमीन पड़ा। फोटो :हरिभूमि

शनिवार को बरामदे का लेंटर लगाया जा रहा था, लेकिन अचानक लेंटर गिर गया और यह हादसा हो गया। घायल मजदूरों को चोटें आई हैं जिन्हें निजी अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। हादसे के बाद ग्रामीणों में रोष श्मशान घाट में हुए हादसे के बाद ग्रामीणों में रोष फैल गया। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य में घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया, जिसके चलते लेंटर कमजोर रहा और समय से पहले टूट गया। ग्रामीणों ने प्रशासन से निर्माण कार्य की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। साथ ही दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग भी की गई है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जाए।

अचानक स्टरिंग की बल्ली टूट गई और लेंटर नीचे आ गिरा

इस संबंध में गांव के सरपंच वेदप्रकाश ने बताया कि बरामदे का शनिवार को लेंटर डाला जा रहा था। अचानक सेटरिंग की बल्ली टूट गई और लेंटर नीचे आ गिरा। इस हादसे में दो मजदूरों को हलकी चोट आई, जिन्हें निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। चिकित्सकों ने उपचार के बाद उन्हें घर भेज दिया। बड़ा हादसा होने से तो टल गया, लेकिन वह इस मामले की जांच करवाएंगे।

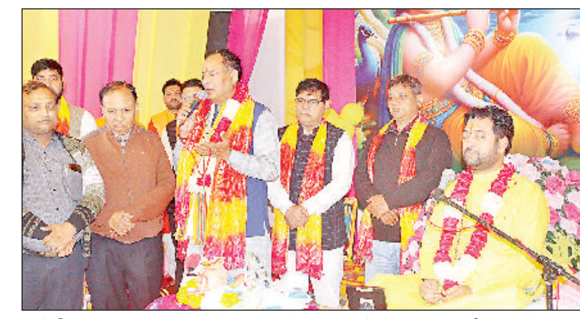

सोनीपत । कार्यक्रम में पहुंचें भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली साथ में कथाव्यास एवं अन्य। फोटो :हरिभूमि

श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह के पावन प्रसंग का उल्लेख

- बाबा बिशनदास धाम, मुरथल में श्रीमद्भागवत कथा का छठा दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

बाबा बिशनदास धाम, मुरथल में श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। शनिवार को छठे दिन कथा व्यास स्वामी सत्यदेव महाराज ने श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह का पावन प्रसंग बड़े ही भावपूर्ण एवं मार्मिक ढंग से श्रद्धालुओं को सुनाया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने भी हिस्सा लिया और स्वामी सत्यदेव महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया।

स्वामी सत्यदेव ने रुक्मिणी विवाह प्रसंग के माध्यम से बताया कि सच्चा प्रेम, पूर्ण समर्पण और अटूट श्रद्धा ही ईश्वर को प्राप्त करने का मार्ग है। रुक्मिणी जी का श्रीकृष्ण के प्रति निष्कलंक प्रेम और भगवान श्रीकृष्ण का भक्त की पुकार पर तत्काल पहुंच जाना इस बात का प्रतीक है कि जब भक्त सच्चे मन से प्रभु का स्मरण करता है, तो भगवान स्वयं उसके जीवन की बाधाओं को दूर करते हैं। स्वामी सत्यदेव महाराज ने कहा कि रुक्मिणी विवाह केवल एक वैवाहिक प्रसंग नहीं, बल्कि जीव और ईश्वर के मिलन का दिव्य संदेश है। इस प्रसंग को सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे और कई भक्तों की आँखें श्रद्धा से नम हो गई। आज कथा के दौरान प्रस्तुत किए गए मधुर भजनों एवं संगीतमय कीर्तन ने ऐसा समां बांध दिया कि श्रद्धालु स्वयं को रोक न सके और भक्ति में लीन होकर नृत्य करने लगे। मुख्य यजमान लाला अमरनाथ गोयल परिवार रहा। इस मौके पर प्रवीण गोयल, कृष्ण गोयल, पवन गोयल, प्रधान, राजेश गोयल, साहिल गोयल, पंकज गोयल, सुशील गोयल, रामबिलाश गोयल, अशोक गोयल, सतीश गोयल एवं विंबला गोयल आदि मौजूद रहे।

सोनीपतः राष्ट्रीय लोक अदालत में किया 20310 मामलों का आपसी सहमति के साथ निपटारा

- 7 करोड़ 80 लाख 70 हजार 760 रुपये की राशि का किया निस्तारण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जिला सोनीपत तथा उपमंडल गोहाना, गन्नौर और खरखौदा के न्यायालय परिसरों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण, सोनीपत के नेतृत्व में और प्रचेता सिंह, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव, जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण, सोनीपत की देखरेख में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 20 हजार 310 मामलों का आपसी सहमति से निपटारा किया गया। जिनमें कुल 7 करोड़ 80 लाख 70 हजार 760 रुपये की राशि का निस्तारण किया गया। मोटर दुर्घटना दावा मामलों के 29 केसों का निपटान करते हुए 2 करोड़ 57 लाख 90 हजार रुपये की समझौता राशि प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त 10 हजार 379 चालानों का निपटारा कर 95 लाख 96 हजार 600 रुपये की राशि वसूल की गई। फौजदारी के 196 मामले, 496 सिविल केस, 242 श्रम विवाद, 850 बिजली संबंधी, 160 वैवाहिक विवाद, 6,629 राजस्व मामलों तथा 212 चेक बाउंस मामलों का निपटारा किया गया, जिनमें 97 लाख 77 हजार 453 रुपये की राशि का निस्तारण हुआ। डिस्ट्रिक्ट एडीआर सेंटर, सोनीपत में स्थायी लोक अदालत के माध्यम से विभिन्न बैंकों से संबंधित बैंक रिकवरी के 55 मामलों और टेलीफोन बिल रिकवरी के 59 मामलों का निपटारा किया गया। इसके अलावा अन्य मामलों से संबंधित 1,003 केसों का भी समाधान किया गया।

सीजेएम प्रचेता सिंह ने बताया कि अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुभाष चंद्र सरोए, प्रिंसिपल जज कुलदीप सिंह, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश नरेंद्र सिंह, न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी जस्मिन प्रीत कौर, अर्शबीर कौर संधू, साक्षी गुप्ता तथा उपमंडल स्तर पर मानसी गौर एसडीजेएम गन्नौर, ज्योति न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी गोहाना और सूर्य करण चौधरी न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी खरखौदा की पीठों द्वारा मामलों का निपटारा किया गया।

सोनीपत। जिला सोनीपत व उपमराष्ट्रीय लोक अदालत के दौरान उपस्थित न्यायधीश, वकील एवं मुवक्किल। फोटो :हरिभूमि

जयंती पर श्रद्धांजलि समारोह

साहस और प्रेरणा के प्रतीक थे बाबा जीवन सिंह : आजाद सिंह

- बाबा जीवन सिंह को चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी

शहीद मदनलाल धींगड़ा पार्क के समीप गुरुद्वारे में कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

शहर में शहीद मदनलाल धींगड़ा पार्क के समीप स्थित मुख्य गुरुद्वारे में शनिवार को बाबा जीवन सिंह की जयंती पर श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। समारोह में बाबा जीवन सिंह को उनके चित्र पर पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि दी गई। मुख्य वक्ता आजाद हिंद देशभक्त मोर्चा के मुख्य संरक्षक आजाद सिंह दांगी ने कहा जब गुरु तेग बहादुर को दिल्ली के चांदनी चौक में औरंगजेब के सिपाहियों ने शहीद किया था। उस समय बाबा जीवन सिंह ने गुरु तेग बहादुर के शीश को उठाने के लिए अपने पिता का बलिदान दिया था। अपने पिता के शीश को उस स्थान पर रखकर गुरु तेग बहादुर के शीश को उठाकर औरंगजेब की सेना को गुमराह करते हुए आंधी व तूफान का मुकाबला करते हुए किसी तरह आनंदपुर साहब 354 किलोमीटर दूर गुरु गोविंद सिंह के सामने लाकर रखा था। उस समय गुरु गोविंद सिंह की उम्र केवल 9 वर्ष की थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता गुरुद्वारा सिंह सभा के उपाध्यक्ष जगदीश चिंदा ने की। समारोह में ग्रंथी भाई भूप सिंह, हरीश चावला, रवि भटेजा, रोहतास अहलावत, भाना पांचाल, हवा सिंह, सतीश शर्मा व हर भगवान चोपड़ा उपस्थित रहे।

गोहाना। समारोह में बाबा जीवन सिंह को नमन करते नागरिक। फोटो :हरिभूमि

बच्चों को शिक्षित बनाने पर करें फोकस : शर्मा

- कैबिनेट मंत्री ने सेन धर्मशाला में विकास कार्यों के लिए 21 लाख रुपये देने की घोषणा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि गरीब की पूंजी उसके बच्चे होते हैं। ऐसे में अपने बच्चों को शिक्षित बनाने पर फोकस करें। वे शनिवार को उत्तम नगर स्थित सेन भगत धर्मशाला परगना-52 के 42वें स्थापना दिवस समारोह में अपने पत्नी डॉ. रीटा शर्मा के साथ बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे थे। मंत्री ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय विचार के साथ काम करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व की सरकार हर बिरादरी का सम्मान और उत्थान सुनिश्चित कर रही है। सरकार आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ-सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के विचार को धरातल पर उतार रही है। डॉ. अरविंद शर्मा ने समारोह में समाज से आह्वान करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार युवाओं के कौशल विकास को बढावा देते हुए न केवल उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम कर रही है, अपितु उनको स्वरोजगार स्थापित करने के लिए अवसर प्रदान कर रही है। सरकार हर विधानसभा स्तर पर अंत्योदय मेलों का आयोजन करते हुए गरीब परिवारों को स्वरोजगार एवं आसान ऋण उपलब्ध कराने के लिए अवसर दे रही है, जिसका आमजन को लाभ उठाना चाहिए। इस अवसर पर सेन भगत धर्मशाला सभा के अध्यक्ष दिलबाग बाजवान, नरेंद्र गहलावत, धुलाराम, भूपेंद्र मुदगिल, भीम सिंह, पार्षद राजेश, जगमहेन्द्र, बलवान सिंह, बिजेंद्र कश्यप, प्रवीण, राजेश मांडी, जयभगवान लाकड़ा, सुमित कक्कड़, पदम सिंह, शमशेर भंडेरी, संजय ठाकुर, सुभाष सैन, हवासिंह वर्मा व डॉ. सुशील उपस्थित रहे।

गोहाना। समारोह में डॉ. अरविंद शर्मा का सम्मान प्रकट करते समाज के गणमान्य व्यक्ति।

पांच लाख से लाइब्रेरी स्थापित होगी

कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने सेन भगत धर्मशाला में विकास कार्यों के लिए स्वैच्छिक कोष से 21 लाख रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने धर्मशाला में लाइब्रेरी स्थापित करने के लिए भी 5 लाख रुपये देने की घोषणा की।

छात्रों की 100 मीटर दौड़ में अनिकेत प्रथम रोहित द्वितीय व नमन ने पाया तृतीय स्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गीता विद्या मंदिर, गोहाना के वार्षिक खेलोत्सव में शनिवार को विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के फाइनल मुकाबले हुए। कई खेल प्रतियोगिताओं के मुकाबले काफी रोचक रहे। खेलोत्सव के समापन के मुख्य अतिथि विद्यालय के पूर्व छात्र नीरज और कृष्ण थे। समापन सत्र की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य अश्विनी कुमार ने की। खेल प्रतियोगिताओं के फाइनल मुकाबलों में कबड्डी प्रतियोगिता में चाणक्य सदन, शिवाजी सदन और विवेकानंद सदन, रिले दौड़ में दयानंद सदन, शिवाजी सदन और विवेकानंद सदन की टीमें क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहीं। लंबी कूद में हार्दिक, अभि, नितिन और गौरव बोरी दौड़ में अक्षित, पर्व और देव, छात्रों की 100 मीटर दौड़ में अनिकेत, रोहित और नमन, 200 मीटर दौड़ में दीपेश, हरियन और केशव, 400 मीटर दौड़ में अरुण, दक्ष, अर्जुन व गौरव, 600 मीटर दौड़ में दक्ष, नमन और अंश क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे। खेलोत्सव के समापन सत्र का संयोजन विभाग प्रमुख अंजु और दीपक कपूर ने किया। मंच संचालन कुसुम गिरि और निर्मल ने किया। परिणाम लेखन कोमल ने किया। खेलोत्सव में आचार्य उमेश, जनता चहल एवं रेखा शर्मा ने खिलाड़ियों की प्रतिभा परखी। पूर्व छात्र सुमित विरमानी, सीए कविता, प्रबंध समिति से कमलेश भाटिया, पूजा सैनी, महेंद्र भारद्वाज व उनकी पत्नी वीना भारद्वाज की गरिमामयी उपस्थिति रही।

गोहाना। खेलों व अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रस्तुति देने वाले विद्यार्थी अतिथियों व शिक्षकों के साथ। फोटो : हरिभूमि

सप्तशक्ति कार्यक्रम

सप्तशक्ति कार्यक्रम श्रृंखला आयोजित इस अवसर पर सप्तशक्ति कार्यक्रम श्रृंखला का आयोजन भी किया गया। संयोजन आचार्या रजनी एवं मन्नू दूहन ने किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नारी शक्ति को जागरूक, सशक्त एवं सामाजिक दायित्वों के प्रति प्रेरित करना रहा। मुख्य वक्ता डॉ. पुष्पा शर्मा, प्राचार्या सुमन कौशिक और पिंकी प्रभा थीं।

बाबू गैनू सैद को किया नमन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

शनिवार को बाबू गैनू सैद को उनके 95वें बलिदान दिवस पर याद किया गया। उनकी स्मृति में शहर के पुराना बस अड्डा स्थित शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता समाजसेवी हर भगवान चोपड़ा ने कहा बाबू गेनू सैद ने 12 दिसंबर 1930 को मुंबई के कालबा देवी इलाके में विदेशी कपड़ों से भरे एक ट्रक को रोकने की कोशिश की और ट्रक के सामने लेट गए। ब्रिटिश सार्जेंट के आदेश पर बाबू गेनू सैद पर ट्रक चढ़ा दिया जिससे वे स्वदेशी आंदोलन के पहले शहीद हुए। उनके इस निडर बलिदान ने देशवासियों के मन में स्वदेशी भावना को मजबूत किया।

गोहाना। बाबू गैनू सैद के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देते नागरिक। फोटो :हरिभूमि

ये रहे मौजूद

उन्होंने एक साधारण मजदूर के रूप में जो साहस दिखाया वह उन्हें राष्ट्रीय नायक बना दिया। श्रद्धांजलि समारोह की अध्यक्षता मोर्चे के मुख्य संरक्षक आजाद सिंह दांगी ने की। उन्होंने कहा बाबू गेनू सैद महात्मा गांधी के स्वदेशी विचारों से प्रेरित थे और ब्रिटिश माल के बहिष्कार के आंदोलन में सक्रिय रूप से शामिल थे। इस मौके पर सरदार सतनाम सिंह, रोहतास अहलावत, मुख्तार सिंह दांगी, भाना पांचाल, जगदीश ढलवाल, संतराम पांचाल, सानिया, कासना, अंजलि, योगेश, नमन, दयानंद, राजकुमार व अंकित विशेष रूप से उपस्थित रहे।

हरियाणा रोडवेज तालमेल कमेटी की बैठक, मांगों को लेकर चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरियाणा रोडवेज कर्मचारी तालमेल कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक रोहतक डिपो में आयोजित की गई। बैठक में तालमेल कमेटी से जुड़ी सभी यूनियनों के डिपो प्रधानों ने भाग लिया। इनमें सुमेश कुंडू, सुरेश नेहरा, संदीप सिंघवा, मनजीत कारौर, राजेश मायना, मनोज धनखड़, संदीप खोखर और जोगेंद्र ढुल शामिल रहे। राज्य कमेटी की ओर से जय भगवान कादयान, जगदीप लाठर और अमित महराना विशेष रूप से मौजूद रहे। बैठक में कर्मचारियों की लंबे समय से लंबित मांगों और समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। कर्मचारी नेताओं ने बताया कि रोहतक डिपो में वर्ष 2008 में नियुक्त परिचालकों का डेढ़ साल से द्वितीय एसीपी लंबित है। इसके अलावा परिचालकों को खुले पैसे की सुविधा न मिलना, चालक-परिचालकों के लिए लॉकर की व्यवस्था न होना, आरडीटी की प्राइवेट बसों का अवैध रूप से बूथ पर एक-एक घंटे तक खड़ा रहना, जैसी समस्याएं शामिल हैं। आरोप लगाया गया कि इसके उलट महाप्रबंधक द्वारा कर्मचारी नेताओं का उत्पीड़न किया जा रहा है। इसी कड़ी में राज्य प्रधान जय भगवान कादयान की 23 जनवरी तक स्वीकृत अर्जित अवकाश को 12 दिसंबर को ही रद्द कर दिया गया।

संघर्ष समिति खरखौदा ने सीएम के नाम विधायक को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| .खरखौदा

संघर्ष समिति खरखौदा के सदस्यों ने शनिवार को विधायक पवन खरखौदा से मुलाकात की और प्रस्तावित गोहाना जिला में खरखौदा क्षेत्र को शामिल नहीं किए जाने बारे मुख्यमंत्री के नाम प्रस्ताव सौंपा। विधायक पवन खरखौदा ने कहा कि इस मुद्दे पर वह उनके साथ है और किसी भी हालात में खरखौदा को गोहाना जिले का हिस्सा नहीं बनने दिया जाएगा। इस मुद्दे को वह विधानसभा में उठाएंगे। उन्होंने क्षेत्र की जनता से किया वादा दोहराया कि खरखौदा को प्रस्तावित गोहाना जिले में शामिल नहीं किया जाएगा। उन्होंने समिति के सदस्यों को आश्वस्त किया कि इस मुद्दे को मुख्यमंत्री के संज्ञान में लाकर क्षेत्र की मांग को प्रभावशाली तरीके से रखा जाएगा। इस मौके पर मास्टर राजेन्द्र खांडा, विकेश दहिया रोहणा, सुमेर गोपालपुर, संदीप सिसाना, जोरावर बरोना, सुमित दहिया कंवाली, सत्यवान नंबरदार पहलादपुर किढौली आदि मौजूद रहे।

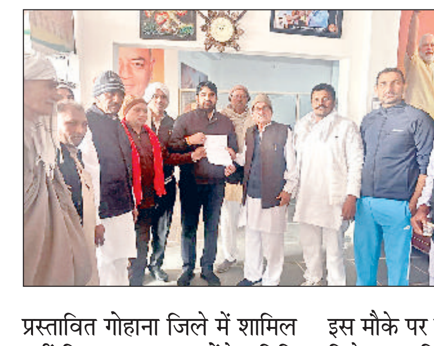

.खरखौदा । विधायक पवन खरखौदा को मांग पत्र सौंपते समिति सदस्य

विधायक निखिल मदान और मेयर राजीव जैन ने किया विकास कार्यों का शुभारंभ

शहर में 2.33 करोड़ रुपये से होंगे विकास कार्य, पार्क और सड़कें बनेगी

पार्कों के वाकिंग ट्रेक की आवश्यकता अनुसार मरम्मत की जाएगी

सोनीपत। विकास कार्यों का शुभारंभ करते विधायक, मेयर एवं अन्य। *फोटो : हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ⏩ सोनीपत

विधायक निखिल मदान और मेयर राजीव जैन शनिवार सुबह वार्ड नं 4 के सेक्टर 12 में पहुंचे, जहां उन्होंने नगर निगम द्वारा करवाए जा रहे विकास कार्यों का नारियल तोड़कर शुभारंभ किया। इस दौरान निगम पार्षद बबीता त्रिभुवन कौशिक और क्षेत्र के सभी गणमान्य नागरिकों की उपस्थित रहे। विधायक निखिल मदान ने बताया कि वार्ड नं 4 के सेक्टर 12 पार्ट 1 और 2 के विभिन्न पार्कों में लगभग 73 लाख रुपये की लागत से सौंदर्यीकरण और नवीनीकरण के कार्य करवाए जाएंगे। इनमें चार दिवारी की मरम्मत के साथ रंग रोगन किया जाएगा। ग्रिल की मरम्मत के साथ उसका रंग रोगन किया जाएगा। पार्क में लोगों के घूमने के लिए वाकिंग ट्रेक की आवश्यकता अनुसार मरम्मत की जाएगी। झूलों और ओपन जिम की मरम्मत की जाएगी। पार्कों में लोगों के बैठने के लिए आवश्यकता अनुसार बेंच लगवाए जाएंगे। रोशनी के लिए लाइट आदि लगवाई जाएगी।

इसके बाद विधायक निखिल मदान और मेयर राजीव जैन सरदारों वाली गली में पहुंचे, जहां उन्होंने गली को सीसी से पक्का करने के कार्य का नारियल तोड़कर शुभारंभ किया। मेयर राजीव जैन ने बताया कि सरदारों वाली गली को 65 लाख रुपए की लागत से सीसी द्वारा पक्का किया जाएगा। इसके पश्चात विधायक निखिल मदान और मेयर राजीव जैन देव नगर में सरकारी स्कूल के पास पहुंचे और विकास कार्यों का शुभारंभ किया। मेयर राजीव जैन ने बताया कि वार्ड नंबर 15 की विभिन्न कॉलोनियों जैसे देव नगर और सुभाष नगर में सीवरेज ब्लॉक होने की समस्या थी, जिसके कारण दूषित जल भराव होता था। समस्या के समाधान को लेकर नई सीवरेज लाइन बिछाने की टेंडर प्रक्रिया शुरू की गई थी। इस अवसर पर निगम पार्षद बबीता त्रिभुवन कौशिक, निगम पार्षद अतुल जैन, निगम पार्षद नवीन तंवर, मंडल अध्यक्ष राजकुमार शर्मा, मंडल अध्यक्ष नीरज सोनी, किरण बाला, अतुल गौतम, प्राध्यापक दिलबाग सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

स्वच्छता अभियान के तहत नालों की सफाई करवाते मेयर राजीव जैन।

स्वच्छता के लिये सबको मिलकर करना होगा काम : जैन

सोनीपत। नगर निगम मेयर राजीव जैन ने कहा है कि अपने शहर को स्वच्छ करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत के सपने को पूरा करें। स्वच्छता के लिए सबको मिलकर काम करना होगा। बाजार एवं घरों से कूड़ा उठाने के लिए नगर निगम की गाड़ियां चल रही है उसमें कूड़ा डालो। क्या हम अपने घरों के बाहर भी इसी तरह कूड़ा डाले रखते हैं, शहर को भी अपना घर समझो। राजीव जैन लगातार चल रहे स्वच्छता अभियान के 24 वें सप्ताह के अंतर्गत आज शनिवार स्वच्छ, सुंदर एवं स्वस्थ सोनीपत अभियान के तहत देवीलाल चौक बस स्टैंड से पंडित श्रीराम शर्मा चौक एवं आईटीआई चौक से सेक्टर 12 वाली रोड से साफ सफाई करवाते हुए दुकानदारों एवं रेहड़ी वालों से की। उन्होंने कहा कि सभी अपने घर में और ऑफिस में भी तो डस्टबिन रखते हैं, तो फिर दुकान या रेहड़ी पर रखने में क्या हर्ज है। सफाई अभियान के तहत नालों से भारी गाद निकलवाई गई। मेयर राजीव जैन ने कहा कि विदेशों की तर्ज पर शहर को साफ सुथरा देखना चाहते हो, तो हर कोई स्वच्छता प्रहरी बन जाओ, और सड़क व गलियों में गंदगी फैलाने वाले को शर्मिंदा कर स्वच्छता के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि स्वच्छता हमारे स्वास्थ्य से भी जुड़ी हुई है, गंदगी से बीमारियां भी पनपती हैं। अभियान में एडवोकेट नकीन मेहरा, शैलेंद्र तोमर, समीर शर्मा, जोगिंदर मेहरा, अशोक बागड़ी, सत्यनारायण मेहरा, अशोक कुमार, मुकेश बामनिया, सुमित, एडवोकेट विकास, विक्की शर्मा, मुख्य सफाई निरीक्षक सतेंद्र दहिया, साहब सिंह, सुपरवाइजर योगेश, सुरेंद्र मलिक, सोनू सुहाग आदि शामिल रहे।

मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी कार्यक्रम का शुभारंभ 15 को

सोनीपत। कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे अधिकारीगण।

- एक निजी विश्वविद्यालय में किया जाएगा आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏩ सोनीपत

प्रदेश में सुशासन को नई गति और दिशा देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी कार्यक्रम (सीएमजीजीए) 2.0 का शुभारंभ 15 दिसंबर को एक निजी विश्वविद्यालय, सोनीपत में किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पहुंचें। इसके जरिए राज्यभर में सुशासन को मजबूत बनाने और सरकारी योजनाओं व सेवाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के विजन को नई ऊर्जा मिलेगी। उपायुक्त सुशील सारवान ने पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ विवि का दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि इस बार 27 सुशासन सहयोगी कार्यक्रम से जुड़कर सभी जिलों में कार्य करेंगे। इस दौरान अतिरिक्त उपायुक्त लक्षित सरीन, डीसीपी प्रबिना पी., एसडीएम सुभाष चंद्र, अंजलि क्षोत्रिय, निर्मल नागर, प्रवेश कादियान, सहायक पुलिस आयुक्त निधि नैन भी मौजूद रहे।

ये बोले अधिकारी

मुख्यमंत्री गुड गवर्नेंस एसोसिएट्स 2.0 कार्यक्रम के लिए मुख्यमंत्री के उपप्रधान सचिव यशपाल यादव को परियोजना निदेशक नियुक्त किया गया है। उन्होंने बताया कि तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल के कार्यकाल के दौरान वर्ष 2016 में सीएमजीजीए कार्यक्रम की शुरुआत हुई थी, जिसने राज्य में सुशासन के क्षेत्र में बेहतर परिणाम दिए। अब मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में इस कार्यक्रम को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाया जा रहा है। इसका उद्देश्य सरकारी सेवाओं की समयबद्ध आपूर्ति सुनिश्चित करना, प्रशासनिक पारदर्शिता बढ़ाना, नवाचार के माध्यम से समस्याओं का समाधान करना और नागरिक-केंद्रित शासन को प्रोत्साहित करना है। यह कार्यक्रम सुशासन मॉडल को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा। उपायुक्त ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया।

खबर संक्षेप

नरेश कुमार भाजपा एससी मोर्चा के जिलाध्यक्ष नियुक्त

गोहाना। भाजपा संगठन में गोहाना जिला के अध्यक्ष बिजेंद्र मलिक ने गांव खानपुर कलां के नरेश कुमार को एससी मोर्चा के जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी। पार्टी नेतृत्व से विचार-विमर्श के बाद जिला अध्यक्ष ने उनको नियुक्ति पत्र दिया। शहर में जिला कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम हुआ, जिसमें नरेश को जिम्मेदारी दी गई। एससी मोर्चा के नए अध्यक्ष नरेश ने कहा कि वे एससी समाज के लोगों को ज्यादा से ज्यादा पार्टी में जोड़ने की कोशिश करेंगे। इस मौके पर जिला महामंत्री महेंद्र चिड़ाना, परमवीर सैनी, डा. राममेहर राठी, शेरसिंह बेड़वाल, प्रवीण कश्यप, सतपाल लठवाल, रमेश कुमार, मुकेश सैनी व राजेश उपस्थित रहे।

अवैध हथियार मामले में तीसरा आरोपी पकड़ा

सोनीपत। जिले की एसयूएजी यूनिट सेक्टर-7, सोनीपत की पुलिस टीम ने अवैध हथियार से जुड़े एक पूर्व मामले में संलिप्त तीसरे आरोपित को प्रोडक्शन वारंट पर लेकर गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान सुनील निवासी जिला अलीगढ़, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपित को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

इस मामले की विस्तृत जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि 6 जनवरी 2025 को एसयूएजी यूनिट सेक्टर-7 में नियुक्त उप निरीक्षक यशवीर ने गश्त के दौरान आरोपी को पकड़ा।

गोसेवा हरियाणा के प्रदेश प्रभारी बने तिलकराम

गन्नौर। श्री श्री 108 बाबा मोहनदास गौशाला शाहपुर तगा में शनिवार को सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में तिलक राम पट्टी ब्रह्मणान को गौ सेवा हरियाणा का प्रभारी बनाए जाने तथा गौशाला के प्रधान को जिला अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर उनका स्वागत किया गया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने दोनों पदाधिकारियों को फूल-मालाएं पहनाकर बधाई दी। इस मौके पर गौ सेवा सांसद मांगीलाल, गूगल ब्वाय कौटिल्य पंडित के दादा जयकिशन, काजल किन्नर, जिला अध्यक्ष कृष्ण त्यागी सहित अनेक गणमान्य लोगों ने शिरकत की। तिलक राम ने कहा कि गौसेवा एक पवित्र कार्य है और समाज के सभी लोगों को इसमें सहयोग करना चाहिए, ताकि उत्थान संभव है।

खरखौदा। मॉक पार्लियामेंट में भाग लेते प्रताप स्कूल के विद्यार्थी।

प्रताप स्कूल में मॉक पार्लियामेंट का आयोजन

खरखौदा। प्रताप स्कूल में मॉक पार्लियामेंट का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने विभिन्न संवैधानिक पदों की भूमिकाओं को निभाते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रिया का सशक्त प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में स्पीकर की भूमिका पलक ने संभाली। जबकि प्रधानमंत्री मुस्कान ने पूरे सदन का नेतृत्व किया। गृहमंत्री विषु, कृषि मंत्री वरिंदा, महिला एवं बाल विकास मंत्री अक्षिता, रक्षा मंत्री करीना, और क़ानून मंत्री वंशिका ने अपने-अपने विभागों का गंभीर और प्रभावी प्रस्तुतीकरण किया। सदन में विपक्ष नेता निशु के साथ भूमिका, प्रिया, निशांत, मानव और ऋतु ने मुद्दों पर मजबूत सवाल रखे। विदेश प्रतिनिधि के रूप में नैना और दृष्टि ने अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर अपने विचार व्यक्त किए। राष्ट्रपति की भूमिका मुस्कान ने निभाई। जबकि पत्रकारों की भूमिका वंशिका और शिवम ने निभाई।

लेखन प्रतियोगिता में प्रेरणा रही प्रथम

खरखौदा। दिल्ली मार्ग पर स्थित जेबीएच स्कूल में निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा पहली से कक्षा आठवीं तक के बच्चों ने भाग लिया। जिसमें बच्चों ने स्वच्छता का महत्व विषय पर निबंध लिखा। दूसरी ओर प्रधानाचार्या सुमन दहिया ने बताया कि स्वच्छता हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू है जो एक स्वस्थ और स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करता है। हर व्यक्ति के लिए उनके आस-पास स्वच्छता बनाए रखना ज़रूरी है। एक साफ वातावरण न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है, बल्कि मानसिक और भावनात्मक आराम भी प्रदान करता है। यह रोगों और संक्रमणों के फैलने से बचाने में मदद करता है जो समाज के लिए अनुकूल नहीं होता है। इस प्रतियोगिता में कक्षा तीसरी से प्रेरणा ने प्रथम, कक्षा छठी से वंश ने द्वितीय और कक्षा पांचवी से विधि ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

खरखौदा। निबंध प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी।

सोनीपत। सेमिनार में पहुंचें अतिथियों को सम्मानित करते हुए।

ऋषिकुल वर्ल्ड एकेडमी में भाषाई कौशल पर सेमिनार

सोनीपत। ऋषिकुल वर्ल्ड एकेडमी में शनिवार को विद्यार्थियों के भाषाई विकास को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार के मुख्य वक्ता अरिंदम भट्टाचार्य रहे। जिसमें अंग्रेजी शिक्षकों सहित विद्यालय प्रधानाचार्या चंचल शर्मा, मीनू शर्मा, कमलकांत शर्मा उपस्थिति रहे। इस सेमिनार का मुख्य विषय भाषाई कौशल का विकास एवं विभिन्न भाषाओं के शिक्षण की प्रभावी विधियां रहा, जिसमें विशेष रूप से अंग्रेजी भाषा कौशल को बच्चों तक सरल, रुचिकर एवं प्रभावी ढंग से पहुंचाने पर विस्तार से चर्चा की गई। सेमिनार में आमंत्रित मुख्य प्रवक्ताओं ने शिक्षकों को अंग्रेजी भाषा में शुद्धता, आत्मविश्वास एवं प्रवाह विकसित करने के लिए नवीन शिक्षण तकनीकों से अवगत कराया। इस अवसर पर वक्ताओं द्वारा अनेक क्रियात्मक एवं गतिविधि-आधारित शिक्षण विधियां भी कराई गई।

गन्नौर। प्रशंसा पत्र वितरित करते परिमल कुमार व जोगेंद्र कुमार।

शिविर में 96 लोगों ने किया रक्तदान

गन्नौर। एसआरके स्किल सेंटर द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में 96 रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। शिविर में रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए आईसीएस कोचिंग सेंटर के संचालक एवं समाजसेवी परिमल कुमार ने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है, जिससे जरूरतमंदों को नया जीवन मिल सकता है। एसआरके स्किल सेंटर के निदेशक जोगेंद्र ने बताया कि शिविर में सीआईटी का कोर्स करने वाले 32 छात्रों को भी सम्मानित किया गया। शिविर में मनोज कुमार, समाजसेवी अंकित मल्होत्रा, कृष्ण कुमार, मोनी सिंधु और राजीव राय ने भी रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाया। रोटरी सोनीपत सिटी ब्लड सेंटर की मेडिकल टीम ने रक्त संग्रह किया। शिविर को सफल बनाने में सेंटर के स्टाफ अमित, अंजली, कल्पना, डिंपल आदि ने सहयोग दिया।

गोहाना। क्षेत्र के लोगों की समस्याएं सुनते हुए मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा।

सरलता और सुशासन के लिए काम कर रही भाजपा

गोहाना। सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत एवं सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने गोहाना में सोनीपत मार्ग स्थित कार्यालय पर जनसंवाद कार्यक्रम के तहत क्षेत्र के विभिन्न गांवों के लोगों से मुलाकात की। कार्यक्रम में मंत्री ने लोगों मांगों व समस्याओं को सुनते हुए समाधान के लिए अधिकारियो को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार आम आदमी के साझे की सरकार है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से लेकर सभी जनप्रतिनिधि निरंतर आमजन के बीच में रहकर उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए तत्पर हैं। प्रदेश सरकार निरंतर व्यवस्था में सरलता व सुशासन लाने के लिए काम कर रही है, ताकि आमजन को सरकारी कार्यालयों के चक्कर न काटने पडें और घर बैठे उनके सभी जरूरी काम एक क्लिक पर हो जाएं।

खरखौदा। लोगों को संबोधित करते विधायक पवन खरखौदा

विधायक ने सीएम रैली का न्योता दिया

खरखौदा। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 28 दिसंबर को खरखौदा की अनाज मंडी एक रैली को संबोधित करेंगे। रैली को सफल बनाने के लिए खरखौदा विधायक पवन खरखौदा लगातार क्षेत्र के सभी गांवों में जनसंपर्क अभियान चला रहे हैं। जनसंपर्क के दौरान विधायक पवन ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा प्रदेश में लगातार विकास कार्य हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि खरखौदा में पानी निकासी प्रोजेक्ट, खरखौदा - दिल्ली मार्ग परियोजना, सड़कों का चौड़ीकरण एवं नवीनीकरण तथा खरखौदा कन्या महाविद्यालय को सरकारी दर्जा देने जैसे महत्वपूर्ण कार्य कम समय में पूरे किए गए हैं। इसके अलावा आने वाले समय में हर गांव में अधिक से अधिक विकास कार्य कराने की योजना बनाई जा चुकी है। विधायक ने लोगों से अपील की कि वे 28 की रैली में पहुंचे।

बीज से एमएसपी तक संरक्षण दे रही है सरकार

गन्नौर। मार्केट कमेटी गन्नौर के नवनियुक्त चेयरमैन निशांत छोक्कर ने कहा कि सरकार ने इस वर्ष वर्षा से हुए नुकसान की भरपाई के तहत 10 दिसंबर को 53 हजार से अधिक किसानों को 116 करोड़ रुपये जारी किए गए। उन्होंने किसानों से 31 दिसंबर तक फसल बीमा कराने की अपील की। छोक्कर ने बताया कि मंडी में जल निकासी सहित छोटी-मोटी समस्याओं का शीघ्र समाधान कराया जाएगा, ताकि किसानों व व्यापारियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

रोशन लाल गर्ग को 30 दिसंबर को देंगे श्रद्धांजलि

सोनीपत। महादेव सेवा समिति के संस्थापक प्रधान रोशन लाल गर्ग के सम्मान में 30 दिसंबर को श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। सोनीपत समाज पंचायत के संयोजक संजय सिंगला ने बताया कि रोशन लाल गर्ग समाज और समाजसेवियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेंगे। वर्ष 1951 में जन्मे गर्ग का जीवन सादगी, संघर्ष और निस्वार्थ सेवा का जीवंत उदाहरण था। उन्होंने प्रसिद्धि या दिखावे से दूर रहकर केवल मानव सेवा को ही अपने जीवन का लक्ष्य बनाया।

आत्मनिर्भर भारत अभियान के पत्रक बांटे

गन्नौर। भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं आत्मनिर्भर भारत अभियान के लोकसभा संयोजक आजाद सिंह नेहरा ने शनिवार को गन्नौर विधानसभा क्षेत्र के गांव राजपुर में आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत पत्रक वितरण कर ग्रामीणों को जागरूक किया। इस अवसर पर नेहरा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिशा-निर्देशों और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली के नेतृत्व में प्रदेशभर में स्वदेशी अपनाने का अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य देश को आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने कहा कि देश का विकास अपने दम पर ही संभव है।

सहकार भारती का महिला सहकार सम्मेलन में बोले विस स्पीकर हरविंद्र कल्याण

सहकारिता से ही गांवों व महिलाओं का उत्थान संभव

प्रदेश में सेल्फ हेल्प ग्रुप के लिए प्रशिक्षण संस्थान स्थापित किए जा रहे

हरिभूमि न्यूज ⏩ सोनीपत

सोनीपत के सेक्टर-12 स्थित राजकीय महाविद्यालय में सहकार भारती द्वारा महिला सहकार सम्मेलन का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सहकारिता और महिला सशक्तिकरण के माध्यम से ही ग्रामीण महिलाओं का सर्वांगीण विकास संभव है। उन्होंने बताया कि गुजरात की तर्ज पर हरियाणा में भी सेल्फ हेल्प ग्रुप के लिए प्रशिक्षण संस्थान स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे महिलाओं को स्वरोजगार के बेहतर अवसर मिल सकें। इस अवसर पर जिले में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाली महिलाओं में संतोष मलिक भिगान प्राकृतिक खेती, सरोज शर्मा सामाजिक कार्य, ललिता जूट बैग निर्माण, सुनील कुमारी महिला सशक्तिकरण, रुबी आभूषण निर्माण, राजबाला हाथ से पिसे मसाले तथा विनोद हस्तशिल्प के क्षेत्र में कार्य करने वाली महिलाएं शामिल रहीं।

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान भिगान निवासी संतोष मलिक को सम्मानित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष साथ में विधायक, मेयर एवं अन्य।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में सामाजिक कल्याण बोर्ड की अध्यक्ष सुमित्रा चौहान, ममता यादव, विधायक निखिल मदान, विधायक पवन खरखौदा, मेयर राजीव जैन, राजबीर गोदारा, डॉ. सौरभ भीष्म, परमिंदर सिंह, प्रियंशु जैन, अनुपम त्रिपाठी, सिद्धार्थ और विनोद शर्मा सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। सम्मेलन में लगभग 250 महिलाओं ने भाग लेकर सहकारिता से जुड़ी योजनाओं और महिला सशक्तिकरण के विषय में जानकारी प्राप्त की।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत भैंसवान खुर्द में एससी चौपाल की बोली ग्राम सचिवालय में दिनांक 16/12/25 को होनी निश्चित हुई है। जिसकी कीमत सीओ जिला परिषद द्वारा 162041/- रूपये लगाई गई है।

हस्ता/-सरपंच
ग्राम पंचायत भैंसवान खुर्द
गोहाना (सोनीपत)

20 हजार के लेनदेन में दोस्त की हत्या, सिर पर रॉड मारकर शव नहर में फेंका

पुलिस व परिजनों को गुमराह करने के लिए अपहरण और फिरौती का मैसेज भेजा

■ पड़ोस में रहने वाला **विश्वामित्र** निकला **आदित्य** का कातिल ■ दिल्ली के हैदरपुर हेड से बरामद हुआ था शव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

सिर्फ 20 हजार रुपये के लेनदेन में एक दोस्त ने दूसरे दोस्त की हत्या कर दी। इतना ही नहीं दोस्त की हत्या के बाद उसके परिजनों को गुमराह करने के लिये अपहरण का नाटक भी रच दिया। तकनीकी युग में तकनीकी जांच करने पर पुलिस को शक हुआ तो मामले का खुलासा हो पाया कि गांव सांदलकलां के आदित्य की अपहरण के बाद हत्या का निजी कंपनी में करने वाले दोस्त ने की थी। हत्या के बाद आरोपित ने फिरौती और अपहरण का नाटक रचकर परिजनों व पुलिस को गुमराह करने की साजिश रची, लेकिन स्पेशल एंटी गैंगस्टर यूनिट और सीआईए-1 के संयुक्त ऑपरेशन ने पूरे षड्यंत्र का पर्दाफाश कर दिया। पड़ोस में रहने वाला दोस्त विश्वामित्र ही आदित्य का कातिल निकला। हत्या के बाद वह फिरौती का नाटक रच पुलिस को गुमराह करता रहा।

आदित्य के मोबाइल का पासवर्ड जानता था विश्वामित्र

डीसीपी प्रबिना पी ने बताया कि आरोपी ने पुलिस को भ्रमित करने के उद्देश्य से आदित्य के मोबाइल से धमकी भरे मैसेज और 25 लाख रुपये की फिरौती की पोस्ट डाली। दोस्ती होने के चलते वह आदित्य के मोबाइल का पासवर्ड जानता था। उसने घर पर ही वीडियो बनाया और अलग-अलग स्थानों से मैसेज भेजे, ताकि शक उस पर न जाए और पुलिस अपहरण के एंगल में उलझी रहे। यहां तक कि उसने आदित्य के दोस्त को मैसेज कर यह भी लिखा कि वह शादी में है और अगले दिन लौटेगा। उसने ही अलग-अलग स्थानों से मैसेज भेजे।

कार को बरामद करने में जुटी पुलिस

डीसीपी पूर्व प्रबिना पी व नरेंद्र कादियान ने शनिवार शाम पत्रकारों से बातचीत में बताया कि गांव सांदल कलां निवासी सोमपाल ने 11 दिसंबर को अपने बेटे आदित्य (21) की गुमशुदगी की शिकायत दी थी। उन्होंने बताया था कि 10 दिसंबर को दोपहर करीब दो बजे उनका बेटा घर से निकला था। उसके बाद उसका कोई सुराग नहीं लग सका। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया था। इसी बीच 11 दिसंबर को आदित्य के मोबाइल से 25 लाख की फिरौती का मैसेज आने के बाद परिजन भड़क गए थे। उन्होंने 12 दिसंबर को जाम भी लगा दिया था। इसी बीच दिल्ली पुलिस से सूचना के बाद पुलिस ने दिल्ली के हैदरपुर हेड से आदित्य का शव बोरे में बंधा हुआ बरामद किया था। इस मामले में पुलिस की आठ टीम फील्ड और तकनीकी स्तर पर जांच में जुटी थीं। तकनीकी टीम को मिले इनपुट के आधार पर शक विश्वामित्र पर गहराया और पुख्ता सबूत मिलने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। जांच में सामने आया है कि विश्वामित्र एक नॉन बैंकिंग फाइनेंशियल कॉरपोरेशन में कार्यरत है। पुलिस को अभी वारदात में प्रयुक्त किराए की कार नहीं मिली है। कार से ही शव नहर तक ले जाया गया। साथ ही आदित्य का मोबाइल भी बरामद नहीं हो सका है। पुलिस रिमांड के दौरान कार, मोबाइल और हत्या में इस्तेमाल की गई लोहे की रॉड की बरामदगी के प्रयास किए जाएंगे। पुलिस आरोपित को रविवार को अदालत में पेश करेगी।

ऐसे मार डाला

पुलिस जांच में पता लगा कि आदित्य दोपहर दो बजे पड़ोस में रहने वाले अपने साथी विश्वामित्र के घर गया था। उस समय विश्वामित्र के घर कोई अन्य सदस्य मौजूद नहीं था। दोनों के बीच 20 हजार रुपये के लेनदेन को लेकर कहासुनी हो गई। आदित्य को आरोपी से रुपये लेने थे। बाद में कहासुनी हिंसक झगड़े में बदल गई। आरोप है कि पहले धक्का-मुक्की में आदित्य लोहे की ग्रिल से टकराकर बेसुध हो गया, इसके बाद विश्वामित्र ने लोहे की रॉड से उन पर ताबड़तोड़ वार कर उनकी हत्या कर दी। एसएजीयू सेक्टर-7 सोनीपत प्रभारी अजय धनखड़, सीआईए-1 प्रभारी बीर सिंह, क्राइम यूनिट गन्नौर के मुकेश कुमार और चौकी खुबड़ू की संयुक्त पुलिस टीमों ने सांदल कलां गांव के पास से विश्वामित्र को गिरफ्तार कर लिया है।

शव बोरे में बांधकर नहर में फेंका

आरोपित ने पुलिस को बताया है कि 10 दिसंबर की दोपहर में हत्या कर शव को बोरे में बांध दिया था। पहले उसके हाथ पैर बांध दिए थे। उसके मुंह में कपड़ा ठूंस दिया था। उसके बाद किराये पर कार लेकर आया और शव को कार में डालकर रात आठ बजे बड़वासनी के पास नहर में फेंक दिया। शव दिल्ली के हैदरपुर स्थित मुनक नहर से बरामद हुआ था। पुलिस के अनुसार शव के सिर के आगे-पीछे और कान के पास गहरी चोटों के निशान मिले हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद चोटों की पूरी स्थिति स्पष्ट होगी।

मैसेज में मिला महिला का जिक्र, पुलिस ने कहा- जांच करेंगे

आदित्य के मोबाइल से भेजे गए संदेश में एक महिला का भी जिक्र किया गया था। पुलिस का कहना है कि फिलहाल हत्या की वजह 20 हजार रुपये का लेनदेन सामने आया है, लेकिन रिमांड के दौरान गहन पूछताछ के बाद ही इस पहलू पर स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस को आरोपित के घर में शादी होने की अभी जानकारी नहीं है।

खबर संक्षेप

महिला ने युवक पर लगाया यौन शोषण का आरोप

सोनीपत। गोहाना क्षेत्र के गांव में महिला के साथ घर में घुसकर यौन शोषण किए जाने का मामला सामने आया है। महिला का आरोप है कि वह रात को लघुशंका के लिए उठकर कमरे से बाहर निकली थी, तभी घर में घुसे पड़ोसी युवक ने उनके साथ जबरदस्ती की। आरोपित ने किसी को बताने पर मारने की धमकी दी और भाग गया। पीड़िता ने गोहाना पुलिस के सामने प्राथमिकी दर्ज कराई है कि 8 दिसंबर की रात करीब सवा एक बजे वह अपने कमरे से बाहर बाथरूम के लिए निकली थी। तभी उनके पड़ोस का युवक वहां पहुंच गया। इससे पहले कि वह कुछ समझ पाती, युवक ने उनका मुंह दबा लिया और उनके साथ जबरदस्ती यौन शोषण किया। महिला के चिल्लाने की आवाज सुनकर उनकी सास मौके पर आ गई। सास को देखकर आरोपित ने धमकी दी कि अगर किसी को कुछ बताया तो जान से मार देगा।

निःशुल्क नेत्र जांच एवं ऑपरेशन शिविर कल

सोनीपत। महात्मा आशानंद वधवा हिंदू मंच एवं जिला अंधता निवारण समिति सोनीपत के तत्वावधान में तथा आनंद परिवार के विशेष सहयोग से स्वर्गीय सोमनाथ आनंद और स्वर्गीय सुधीर कुमार आनंद की पुण्य स्मृति में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 15 दिसंबर को सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक दीनबंधु छोटूराम धर्मशाला परिसर, पंचायत भवन के सामने, गोहाना रोड सोनीपत में आयोजित होगा। शिविर का आयोजन संस्था प्रधान हरिचंद स्नेही की अध्यक्षता में किया जाएगा। इस अवसर पर आचार्या सुनीता अरोड़ा के ब्रह्मत्व में यज्ञ हवन होगा। शिविर में नागरिक अस्पताल के नेत्र विशेषज्ञों द्वारा आंखों की जांच, आवश्यक दवाइयां भी देंगे।

कोहरे की दस्तक, दृश्यता 50 मीटर तक सिमटी, न्यूनतम तापमान 6.5 डिग्री पहुंचा

सोनीपत प्रदेश में दूसरा सबसे ठंडा शहर, धुंध के कारण वाहनों की रफ्तार पर ब्रेक, ट्रेनें भी लेट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

जिले में सर्द मौसम के पहले कोहरे ने दस्तक दे दी है। शनिवार तड़के घने कोहरे के चलते दृश्यता कई इलाकों में 50 मीटर तक सिमट गई, जिससे सड़क और रेल यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। सुबह के समय कोहरा इतना घना था कि वाहन चालकों को लाइट जलाकर बेहद धीमी गति से एक-दूसरे के पीछे चलना पड़ा। खासकर हाईवे और संपर्क मार्गों पर वाहनों की रफ्तार थम सी गई, जिससे दफ्तर जाने वाले कर्मचारियों और स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। दूसरी ओर जिले का एक्यूआई भी खराब श्रेणी में बना हुआ है। मौसम में आई इस अचानक ठंडक के बीच जिले का न्यूनतम तापमान 6.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो हिसार के बाद प्रदेश में दूसरा सबसे कम न्यूनतम तापमान रहा। हालांकि यह तापमान सरगथल क्षेत्र में नहर के पास लगे मौसम यंत्र से रिकॉर्ड किया गया है। वहीं, जगदीशपुर स्थित मौसम यंत्र से न्यूनतम तापमान 7.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तापमान में आई गिरावट के चलते सुबह और देर शाम ठिठुरन बढ़ गई है। वहीं सरगथल वाले यंत्र से अधिकतम तापमान 22.5 तो जगदीशपुर से 22 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। अधिकतम तापमान में भी शुक्रवार के मुकाबले गिरावट दर्ज की गई है। शुक्रवार के मुकाबले दोनों जगहों के तापमान में क्रमशः 3.2 और 2.5 डिग्री की कमी दर्ज की गई है। पूरा दिन सूर्य देव के दर्शन लगभग ना के बराबर रहे, इसी वजह से अधिकतम तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई।

दिल्ली-अंबाला रूट पर चलने वाली ट्रेनें धीमी गति से चली

रेल यातायात भी कोहरे की चपेट में रहा। लंबी दूरी की कई एक्सप्रेस और सुपरफास्ट ट्रेनें एक से तीन घंटे तक की देरी से स्टेशन पर पहुंचीं। दिल्ली-अंबाला रूट पर चलने वाली ट्रेनों की रफ्तार कोहरे के कारण कम रखी गई, जिससे यात्रियों को प्लेटफॉर्म पर लंबा इंतजार करना पड़ा। वहीं, सवारी गाड़ियां भी एक से डेढ़ घंटे की देरी से चलीं, जिससे रोजाना अप-डाउन करने वाले यात्रियों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी। वहीं घने कोहरे का सबसे ज्यादा असर यातायात व्यवस्था पर देखने को मिला। तड़के चार बजे के बाद से ही कई प्रमुख मार्गों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। हाईवे पर चलने वाले ट्रक, बसें और निजी वाहन बेहद सतर्कता के साथ आगे बढ़ते नजर आए। कई जगहों पर वाहन चालकों ने कोहरे के कारण अपने वाहन सड़क किनारे रोक दिए और दृश्यता बेहतर होने का इंतजार किया।

फसलों के लिए फायदेमंद

कोहरे के असर को लेकर किसानों की चिंताएं भी बढ़ने लगी हैं। हल्का से मध्यम कोहरा इस समय फसलों के लिए ज्यादा नुकसानदायक नहीं है। रबी फसलों, विशेषकर गेहूं और सरसों के लिए सुबह का कोहरा और ओस फिलहाल लाभकारी मानी जाती है, क्योंकि इससे मिट्टी में नमी बनी रहती है। हालांकि यदि कोहरा लंबे समय तक बना रहता है और धूप नहीं निकलती, तो फसलों में फंगल रोगों का खतरा बढ़ सकता है।

प्रदूषण की मार : 255 रहा एक्यूआई

मौसम में बदलाव के साथ वायु गुणवत्ता पर भी असर पड़ा है। शुक्रवार को जिले का एयर क्वालिटी इंडेक्स 278 दर्ज किया गया, जो खराब श्रेणी में आता है। विशेषज्ञों के अनुसार कोहरे, ठंडी हवाओं की धीमी गति और प्रदूषक कणों के वातावरण में ठहरने से वायु गुणवत्ता में गिरावट आई है। पांच किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाएं प्रदूषण को फैलाने में ज्यादा सहायक नहीं रहीं, जिससे धुंध और प्रदूषक तत्व लंबे समय तक वातावरण में बने रहे।

अभी और कम होगा तापमान, छाएगा कोहरा

मौसम के आगामी रुझान पर बातचीत करते हुए मौसम विज्ञानी डा. प्रेमदीप ने बताया कि आने वाले कुछ दिनों में न्यूनतम तापमान में और गिरावट दर्ज की जा सकती है। उत्तर दिशा से चल रही ठंडी हवाओं और पश्चिमी विक्षोभ के असर से सुबह और रात के समय कोहरा छाने की संभावना बनी हुई है। उन्होंने वाहन चालकों को कोहरे के दौरान सतर्क रहने, कम गति से वाहन चलाने और फॉग लाइट का उपयोग करने की सलाह दी है।

शहर की हवा खराब

सुबह ग्रैप 3 तो शाम को ग्रैप 4 की पाबंदियां लागू

सोनीपत। जिले में वायु गुणवत्ता के लगातार खराब बने रहने के कारण ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान के तहत ग्रैप-4 की पाबंदियां लागू कर दी गई हैं। हालांकि शनिवार सुबह पहले ग्रैप-3 लागू किया गया था, लेकिन शाम तक ग्रैप 4 लागू कर दिया गया है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के गंभीर श्रेणी में पहुंचने के बाद वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने तत्काल प्रभाव से ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) के चौथे चरण को लागू करने की घोषणा कर दी है। सुबह ग्रैप तीन की पाबंदियां लागू करने के कुछ ही घंटों बाद, हवा की बिगड़ती स्थिति को देखते हुए यह कड़ा कदम उठाया गया है। ग्रैप चार को तब लागू किया जाता है जब एक्यूआई 450 से ऊपर चला जाता है। शनिवार शाम को दिल्ली के कई इलाकों में एक्यूआई 488 के खतरनाक स्तर तक पहुंच गया, जिसके कारण इन सख्त नियमों को लागू करना आवश्यक हो गया। ग्रैप चार के तहत दिल्ली-एनसीआर में पहले से लागू ग्रैप एक, दो और तीन के उपायों के अतिरिक्त कई कठोर प्रतिबंध लगाए जाएंगे।

ग्रैप 4 के तहत प्रमुख पाबंदियां

वाहनों पर प्रतिबंध : दिल्ली के बाहर पंजीकृत गैर-आवश्यक हल्के कमर्शियल वाहनों (एलसीवी) और दिल्ली में पंजीकृत बीएस-4 या उससे नीचे के डीजल से चलने वाले सभी भारी मालवाहक वाहनों (एचजीवी) के प्रवेश पर पूरी तरह से रोक रहेगी। हालांकि, सीएनजी, इलेक्ट्रिक ट्रकों और आवश्यक सामान ले जाने वाले वाहनों को छूट दी जाएगी

निर्माण कार्य : सभी प्रकार के निर्माण और विध्वंस (सीएंडडी) गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। इसमें सरकारी और निजी दोनों तरह के निर्माण कार्य शामिल हैं।

शैक्षणिक संस्थान: राज्य सरकारों को यह निर्णय लेने का अधिकार होगा कि कक्षा छठी से नौवीं और ग्यारहवीं तक की स्कूलों की ऑफलाइन कक्षाओं को बंद कर दिया जाए और पढ़ाई ऑनलाइन या हाइब्रिड मोड में हो।

कार्यालय : सरकारी और निजी कार्यालयों में 50 प्रतिशत कर्मचारियों को घर से काम करने की अनुमति देने का निर्णय संबंधित सरकारों द्वारा लिया जा सकता है। कई अन्य पाबंदियां लागू रहेंगी।

अवैध हथियारों सहित दो पकड़े

सोनीपत। जिले में अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने दो अलग-अलग घटनाओं में अवैध हथियार रखने के मामलों में दो आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पहली घटना थाना कुंडली क्षेत्र की है। थाना कुंडली की पुलिस टीम ने गश्त और पड़ताल के दौरान गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए नगर पालिका रोड कुंडली से एक युवक को अवैध हथियार सहित काबू किया। पूछताछ में उसकी पहचान हर्षित मूल निवासी जिला हरदोई उत्तर प्रदेश, हाल निवासी कुंडली जिला सोनीपत के रूप में हुई। पुलिस द्वारा नियमानुसार की गई तलाशी में आरोपित की पैंट से एक देसी पिस्तौल तथा जेब से एक जिंदा राउंड बरामद हुआ। आरोपित हथियार रखने से संबंधित कोई लाइसेंस या परमिट पेश नहीं कर सका। इस संबंध में थाना कुंडली में शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। आरोपित को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। वहीं दूसरी घटना में क्राइम यूनिट कुंडली की पुलिस टीम ने अवैध हथियार रखने के एक अन्य मामले का खुलासा किया। क्राइम यूनिट में नियुक्त सहायक उप निरीक्षक प्रदीप पुलिस टीम के साथ फव्वारा चौक गोहाना क्षेत्र में गश्त पर थे। इस दौरान उन्हें सूचना मिली कि हरिकिशन उर्फ मोनू निवासी गोहाना, महमूदपुर रोड फ्लाईओवर के नीचे अवैध हथियार लेकर किसी वाहन का इंतजार कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर युवक को काबू किया। पूछताछ में उसकी पहचान हरिकिशन उर्फ मोनू के रूप में हुई। उससे एक देसी पिस्तौल 315 बोर और एक कारतूस बरामद हुआ है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 8295154800, 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

शराब पीकर वाहन चलाने के आरोप में अदालत ने दस को जेल भेजा

खरखौदा। न्यायालय परिसर खरखौदा में शनिवार को लोक अदालत का आयोजन किया गया, जिसमें करीब 70 मामलों का आपसी सहमति से निपटारा किया गया। लोक अदालत के दौरान न्यायाधीश सूर्यकर्ण चौधरी ने विशेष रूप से ट्रैफिक नियमों से संबंधित मामलों की सुनवाई की। जिनमें ड्रिंक एंड ड्राइव के मामलों में सख्ती दिखाते हुए उन्होंने दोषियों को सबक सिखाने के उद्देश्य से कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। न्यायाधीश ने बताया कि जिन लोगों ने दूसरी बार शराब पीकर वाहन चलाने का अपराध किया था, उन्हें 8 घंटे, 10 घंटे, एक दिन और दो दिन तक हवालात में रखने की सजा दी गई है। उन्होंने कहा कि यह सख्ती इसलिए जरूरी है ताकि भविष्य में चालक शराब पीकर वाहन चलाने से बचें। क्योंकि इससे दुर्घटना होने की आशंका बढ़ जाती है और स्वयं की जान व सामने वाले की जान का खतरा बढ़ जाता है। न्यायाधीश सूर्यकर्ण चौधरी ने आम जनता से अपील की है कि वे अपने लंबित मामलों का निपटारा लोक अदालत के माध्यम से करें, क्योंकि इसमें वकील की आवश्यकता नहीं होती और कम समय में समाधान संभव है।

जिलास्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी कल, जिले भर से जुटेंगे चयनित विद्यार्थी

विज्ञान के प्रति रूचि, जिज्ञासा और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देगी प्रदर्शनी : सुरेंद्र सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

शिक्षा विभाग की ओर से विद्यार्थियों में विज्ञान विषय के प्रति रुचि, जिज्ञासा और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 15 दिसंबर को जिलास्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा।

यह प्रदर्शनी एसएम हिंदू वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित होगी, जिसमें जिले के सभी खंडों से चयनित राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थी भाग लेंगे। प्रदर्शनी के माध्यम से विद्यार्थी विज्ञान से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने ज्ञान, नवाचार और रचनात्मक सोच को मॉडलों व प्रोजेक्ट्स के जरिए प्रस्तुत करेंगे। जिला विज्ञान विशेषज्ञ सुरेंद्र सिंह ने बताया कि यह प्रदर्शनी कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की जा रही है। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच विकसित करना, समस्याओं को नए दृष्टिकोण से समझना और नवीन विचारों को प्रयोगात्मक रूप में प्रस्तुत करने के अवसर प्रदान करना है। प्रदर्शनी में भाग लेने वाले विद्यार्थी पहले खंड स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताओं में चयनित होकर आएंगे। खंड स्तर पर आयोजित विज्ञान प्रदर्शनियों में विजेता रहे प्रत्येक ब्लॉक से 21-21 विद्यार्थियों का चयन किया गया है। इस प्रकार कुल 126 विद्यार्थी जिलास्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में भाग लेंगे। इन विद्यार्थियों को सात अलग-अलग विषयों पर मॉडल और प्रोजेक्ट प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। प्रत्येक विषय के लिए तीन-तीन विद्यार्थियों की एक टीम बनाई गई है, जो अपने मॉडल के माध्यम से विषय से जुड़ी जानकारी, समस्या और समाधान को विस्तार से समझाएगी।

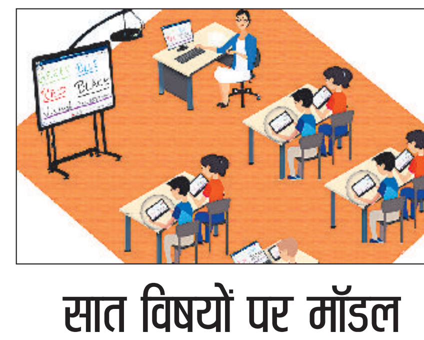

सात विषयों पर मॉडल प्रस्तुत करेंगे विद्यार्थी

जिला विज्ञान विशेषज्ञ सुरेंद्र सिंह ने बताया कि प्रदर्शनी में जिन सात विषयों पर विद्यार्थी अपने मॉडल प्रस्तुत करेंगे, उनमें सतत कृषि, मनोरंजक गणितीय मॉडलिंग, अपशिष्ट प्रबंधन, जल संरक्षण एवं प्रबंधन, उभरती प्रौद्योगिकियां, स्वास्थ्य और स्वच्छता तथा हरित ऊर्जा शामिल हैं। इन विषयों को वर्तमान समय की आवश्यकताओं और भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए चुना गया है, ताकि विद्यार्थी विज्ञान को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रखें, बल्कि उसे दैनिक जीवन से जोड़कर समझ सकें।

ये मॉडल प्रदर्शित होंगे

- ■ सतत कृषि विषय के अंतर्गत विद्यार्थी खेती को पर्यावरण के अनुकूल बनाने, रासायनिक उर्वरकों के विकल्प और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से जुड़े मॉडल प्रस्तुत करेंगे
- ■ मनोरंजक गणितीय मॉडलिंग के माध्यम से गणित को सरल, रोचक और व्यावहारिक रूप में समझाने का प्रयास किया जाएगा
- ■ अपशिष्ट प्रबंधन और जल संरक्षण जैसे विषयों पर प्रस्तुत मॉडल समाज में बढ़ती समस्याओं और उनके वैज्ञानिक समाधान की ओर ध्यान आकर्षित करेंगे
- ■ उभरती प्रौद्योगिकियां विषय के तहत विद्यार्थी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, डिजिटल तकनीक और आधुनिक विज्ञान से जुड़े प्रयोगात्मक मॉडल प्रस्तुत कर सकते हैं
- ■ स्वास्थ्य और स्वच्छता विषय पर बनाए गए मॉडल लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, रोगों से बचाव और स्वच्छता के प्रति जागरूक करेंगे।

आज के दौर में रुपए, पैसे, गोल्ड, प्रॉपर्टी से कहीं ज्यादा मूल्यवान हो चुका है हमारा डेटा। इसीलिए इसको लेकर आम आदमी ही नहीं दुनिया भर की सरकारें भी चिंतित हैं। दरअसल, डेटा लीक या डेटा चोरी होने से इसका मिसयूज तो हो ही सकता है, हमारी सोच हमारी जीवनशैली को भी प्रभावित किया जा सकता है। डेटा की इंपॉर्टेंस और उसके प्रोटेक्शन के बारे में सभी को पता होना चाहिए।

हम सभी के लिए आवश्यक डेटा प्रोटेक्शन

कवर स्टोरी

लोकमित्र गौतम

यह इस साल या किसी एक देश की समस्या नहीं है। पिछले एक दशक से दुनिया के लगभग सभी देशों में सरकार, कॉरपोरेट जगत और आम लोगों के बीच लगातार डेटा प्रोटेक्शन को लेकर बहस से लेकर विचार-विमर्श तक जारी है। पिछले पांच सालों में दुनिया के एक दर्जन से ज्यादा देशों ने आम लोगों के डेटा सुरक्षा के लिए बेहद कड़े कानून बनाए हैं। पिछले महीने 14 नवंबर से हमारे यहां भी डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट 2023 (डीपीडीपी) कानून के रूप में अधिसूचित हो चुका है, जो अगले 18 महीनों में पूरी तरह से अपने सभी प्रावधानों के साथ आम लोगों के डेटा की सुरक्षा करेगा।

हर तरफ आज डेटा की ही चर्चा सुनाई पड़ती रहती है। चाहे बड़ी-बड़ी कॉरपोरेट कंपनियां हों, चाहे अदालतें हों, चाहे बड़े-बड़े वित्तीय संस्थान हों, सरकारें हों, हर जगह डेटा का शोर है। आखिर ये डेटा क्या बला है, जिससे आज की जिंदगी का लगभग हर पहलू जुड़ा हुआ है। आइए, सबसे पहले समझते हैं कि आखिर यह डेटा है क्या?

क्या होता है डेटा: जब हम डेटा कहते हैं तो उसका मतलब आमतौर पर आम आदमी के डेटा से ही होता है, तो आम आदमी का डेटा आज उतना ही महत्वपूर्ण या कीमती है, जितना खनिज तेल, सोना, घातक हथियार जैसी दूसरी चीजें हैं। इसकी वजह सिर्फ तकनीकी नहीं है बल्कि दुनिया भर के लोगों का रोजमर्रा का आम व्यवहार, विभिन्न देशों में होने वाले चुनाव, अरबों-खरबों की होने वाली खरीदारी और हर तरह के कारोबार के मूल में आम आदमी का डेटा ही है। आम आदमी का डेटा वह बुनियादी मनोविज्ञान है, जिस पर कोई भी कंपनी, कोई भी सरकार या माफिया हर समय कब्जा जमाने की कोशिश में रहता है। इसे और भी विस्तार से इस तरह समझ सकते हैं कि डेटा आज इंसान का पूरा डिजिटल प्रोफाइल या बायोडाटा है।

इसलिए माना जाता है मूल्यवान: आज लगभग हर कंपनी चाहती है कि उसके पास ज्यादा से ज्यादा लोगों का डेटा हो, जिससे वह अपनी बिजनेस रणनीति गढ़ सके और भरपूर कमाई सुनिश्चित कर सके। दरअसल, डेटा से कॉरपोरेट जगत को पता चलता है- आपकी उम्र, आपकी कमाई, आपकी रुचियां, आपकी पसंद-नापसंद, आपके ऑनलाइन रहने का समय, आपकी खरीदारी की खास चीजें, आप किन चीजों से प्रभावित होते हैं और किन से आपका मूड खराब होता है? कहने का मतलब आपका डेटा आपकी पूरी तरीके से जीवन कुंडली बन चुकी है, जिसे कोई भी कॉरपोरेट कंपनी जानकर आपकी पसंदीदा चीजों का उत्पादन, व्यापार आदि कर सकती है। कहना गलत नहीं होगा कि इसी डेटा की बदौलत आज विभिन्न उपभोक्ता सामान बनाने वाली कंपनियां अपने ग्राहकों के बारे में उनके परिवार के लोगों से भी ज्यादा जानती हैं।

डेटा बताता है आपकी रुचियां: डेटा आज के कॉरपोरेट जगत का सबसे बड़ा कारोबार है। इसकी बदौलत कंपनियों को अरबों, खरबों का फायदा और न जानने से नुकसान होता है। दरअसल, आज कॉरपोरेट जगत की सबसे बड़ी रणनीति है, डिजिटल टारगेटिंग। आपने महसूस किया होगा कि सोशल मीडिया में (मसलन फेसबुक या यू-ट्यूब में) आप जिस तरह की पोस्ट को लाइक करते हो, उस पर ज्यादा देर तक रुकते हो, कुछ देर के बाद इंटरनेट आपको उसी तरह की पोस्ट दिखाने लगता है। दरअसल, ये उसी आर्टिफिशियल लर्निंग का नतीजा है, जो अकसर कंपनियां लोगों के डेटा के जरिए हासिल करती हैं। अगर आपने किसी एप से तनाव, मेडिटेशन आदि की जानकारी ली है, तो आप तो एक बार जानकारी ले करके बंद कर देंगे, लेकिन अगली बार जब आप अपना मोबाइल या लैपटॉप खोलेंगे तो वैसी ही जानकारियों का सैलाब उमड़ रहा होगा। अगर किसी फूड एप से आपने रात में 10-11 बजे किसी दिन फूड ऑर्डर कर दिया, तो अगले दिन से आपकी देखी जाने वाली हर जगह पर देर रात के एक से बढ़कर एक व्यंजनों के ललचाऊ ऑफर बार-बार आपकी आंखों के सामने से गुजरेंगे। दरअसल, वो आपको टारगेट कर रही हैं कि आपने एक दिन अगर देर रात फूड ऑर्डर किया है तो बार-बार करिए। इस तरह कई बार न चाहते हुए भी लोग इस डेटा चक्रव्यूह में फंसते जाते हैं।

सोच को भी करता है प्रभावित: आज की तारीख में जिस कॉरपोरेट कंपनी के साथ आम लोगों का जितना बड़ा डेटा बैंक होगा, उसे उतना ही ज्यादा व्यापार लाभ होगा, क्योंकि उसके कारोबार में सफल होने की उतनी ही ज्यादा संभावनाएं होंगी। सिर्फ खाने पीने की चीजें या रोजमर्रा की शॉपिंग के लिए ही कंपनियां आपको आपके डेटा से नहीं प्रभावित करतीं बल्कि आपके डेटा से आपकी सोच और आपके विचार तक प्रभावित होते हैं, बदले जा सकते हैं या उन्हें जानकर आपको प्रभावित करने की ठोस रणनीति गढ़ी जा सकती है। लब्बोलुआब यह कि लोकतांत्रिक देशों में राजनीतिक पार्टियां आम लोगों के डेटा के बदौलत उनके सोच और उनके विचारों तक को अपने पक्ष में मोड़ लेती हैं। मतलब यह कि आपके डेटा की बदौलत प्रत्यक्ष रूप से आपको प्रभावित किए बिना भी राजनीतिक पार्टियां आपसे अपने पक्ष में मतदान करवा सकती हैं। मतलब सिर्फ मोबाइल स्कैम नहीं है यह किसी के दिमाग को अपनी मुट्ठी में कैद करने जैसा है।

बढ़े हैं फाइनेंसियल स्कैम्स: यह डेटा ही है, जिसकी बदौलत पिछले एक दशक में वित्तीय अपराधों की बाढ़ आ गई है। पिछले एक दशक में भारत ही नहीं पूरी दुनिया में वित्तीय अपराधों में 500 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोत्तरी हुई है, क्योंकि इसी डेटा की बदौलत साइबर अपराधी, बैंकिंग फ्रॉड करते हैं, लोन धोखाधड़ी करते हैं, सिम स्वैप होता है। इसी डेटा से पिछले एक दशक में पूरी दुनिया में लाखों लड़कियों और महिलाओं को ब्लैकमेल किया गया है। इसलिए आज की तारीख में हम सभी के लिए डेटा प्रोटेक्शन बहुत ही जरूरी हो गया है। *

अपने डेटा को ऐसे रखें सुरक्षित

आपको वो तरीके भी जानने चाहिए, जिससे डेटा प्रोटेक्शन किया जा सकता है।

- हर जगह अपने पासवर्ड को ओपेन न रखें। अपना पासवर्ड कुछ बेहद व्यक्तिगत डेटा से निर्मित करें, क्योंकि देखा गया है कि ज्यादातर लोगों के पासवर्ड एक जैसे और अनुमानित होते हैं।
- आज की डिजिटल दुनिया में खुद को सुरक्षित रखने के लिए दो स्तरीय सुरक्षा जरूर करें। व्हाट्सएप, फेसबुक, गूगल, यूपीआई सबमें इसे ऑन करें, ताकि अगर आपका कोई पासवर्ड चुरा भी ले तो एकाउंट न खोल पाए।
- हर एप को अनावश्यक परमिशन न दें। जब भी आप किसी एप का इस्तेमाल करने की कोशिश करते हैं, तो वह आपसे कैमरा, आपकी लोकेशन, माइक्रोफोन, कॉन्टेक्ट आदि को साझा करने की शर्त रखता है। सोच-समझकर परमिशन दें।
- पब्लिक वाइफाई पर बैंकिंग या यूपीआई का इस्तेमाल बिल्कुल न करें। इससे आपकी वित्तीय सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। कॉफी शॉप, रेलवे स्टेशन, मॉल आदि की पब्लिक वाइफाई सबसे ज्यादा असुरक्षित होती है।
- हर दो-तीन महीने में एप्स की सफाई करना जरूरी है। अगर आपके मोबाइल में 30-40 अनुपयोगी एप्स हैं, तो याद रखिए वो बैकग्राउंड में चुपचाप पड़े अपने मालिकों को आपकी जरूरी सूचनाएं यानी डेटा भेज रहे होते हैं। इसलिए हर दो महीने में अपने मोबाइल से उन सारे एप्स को डिलीट करें, जिन्हें आप इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर ओवर शेयरिंग से बचें।
- मोबाइल स्क्रीन को हमेशा लॉक करके रखें और पिन कभी अपनी जन्मतिथि या बहुत ईजी न बनाएं। पिन और पास वर्ड हमेशा मजबूत रखें।
- बैंकिंग ओटीपी, केवाईसी लिंक किसी को न भेजें, चाहे वह कितना ही बड़ा अधिकारी ही क्यों न हों।

विशेष: विश्व ऊर्जा संरक्षण दिवस आज

हमारी पृथ्वी पर ऊर्जा के कुछ संसाधन सीमित मात्रा में हैं। ऐसे में आने वाली पीढ़ियों के लिए ऊर्जा की अधिक से अधिक बचत और संरक्षण बहुत जरूरी है। इस बारे में हम सभी के लिए जानना बहुत जरूरी है, तभी छोटे-छोटे प्रयासों से ऊर्जा संरक्षण में हम अपनी भूमिका निभा सकते हैं।

सुरक्षित भविष्य के लिए जरूरी है ऊर्जा की बचत और संरक्षण

सजगता

शिखर चंद जैन

वर्ष 1991 में ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) के द्वारा ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाने की शुरुआत की गई थी। तब से दुनिया भर में हर साल 14 दिसंबर को ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है। इसका मूल उद्देश्य है ऊर्जा की कमी, जरूरत और संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना।

ऊर्जा के प्रकार: ऊर्जा की बचत के तरीकों को जानने से पहले इसके प्रकारों के बारे में जानना जरूरी है। इसके विभिन्न स्रोतों को नवीकरणीय (रीन्यूएबल) और अनवीकरणीय (नॉन रीन्यूएबल) दो मुख्य श्रेणियों में बांटा जाता है।

नवीकरणीय: नवीकरणीय स्रोतों में सौर, पवन, जल (जलविद्युत), भूतापीय और बायोमास ऊर्जा शामिल होते हैं, जो प्राकृतिक रूप से रिसाइकिल हो जाते हैं।

अनवीकरणीय ऊर्जा स्रोत: अनवीकरणीय स्रोतों में कोयला, पेट्रोलियम (तेल), प्राकृतिक गैस जैसे जीवाश्म ईंधन और परमाणु ऊर्जा शामिल हैं, जो सीमित मात्रा में हैं और एक बार उपयोग होने पर समाप्त हो जाते हैं।

क्यों जरूरी है ऊर्जा संरक्षण: ऊर्जा संरक्षण के कई आर्थिक लाभ तो हैं ही, इससे पर्यावरण की सुरक्षा भी होती है। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि ऊर्जा के संसाधन सीमित हैं, इसलिए इसे बचाना बेहद जरूरी है। यह ऊर्जा की लागत को कम करने, जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाने और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने में मदद करता है। इससे वायु प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्याओं से लड़ने में मदद मिलती है। उर्जा संरक्षण प्राकृतिक संसाधनों को भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखता है। ऊर्जा का कुशल उपयोग राष्ट्रीय सुरक्षा को भी मजबूत करता है। ऊर्जा संरक्षण से बिजली और ईंधन के बिलों में कमी आती है, जिससे उपभोक्ताओं को पैसे बचाने में मदद मिलती है। ऊर्जा की कम मांग से नए बिजली संयंत्रों की आवश्यकता कम होती है, जो कि प्राकृतिक संसाधनों और बुनियादी ढांचे पर पड़ने वाले दबाव को कम करता है।

छोटे कदमों का बड़ा प्रभाव: ऊर्जा संरक्षण के लिए बहुत बड़े प्रयासों के अलावा, छोटे कदम भी उठाए जा सकते हैं। अगर आप विशेषज्ञों द्वारा बताई गई कुछ बातों पर ध्यान दें तो आप ऊर्जा और आर्थिक खर्च में भी बचत कर सकते हैं।

ऑफ रखें उपकरण: जब आप उपकरणों का इस्तेमाल न कर रहे हों तो सभी बिजली और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को बंद कर दें, क्योंकि स्टैंडबाय मोड में भी वे बिजली की खपत करते हैं। कोई कंप्यूटर बंद करने पर, स्लीप मोड पर रखने की तुलना में 10 गुना कम ऊर्जा की खपत कर सकता है। एक टीवी स्टैंडबाय मोड में एक वर्ष में 70 यूनिट तक बिजली खर्च कर सकता है। सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को बंद करने से साल में 5000 रुपए से 6000 रुपए तक बचाए जा सकते हैं।

इससे बिजली होगी कम खर्च: ज्यादा पुराना फ्रिज आधुनिक फ्रिज की तुलना में चार गुना ज्यादा बिजली खर्च करता है। घर के उपकरण जैसे फ्रिज का दरवाजा बार-बार खोलने और बंद करने से बिजली की खपत बढ़ जाती है। फ्रिज के पीछे की कूलिंग कॉइल पर धूल जमने से इसकी क्षमता घट जाती है, जिससे मोटर को अधिक काम करना पड़ता है और बिजली खर्च होती है। अपने फ्रिज को ओवन या स्टोव के पास न रखें, क्योंकि इससे बिजली की खपत बढ़ जाती है। लैपटॉप या डेस्कटॉप में, मॉनिटर अकेले ही पूरे सिस्टम की आधी से अधिक ऊर्जा का उपभोग करता है।

वाशिंग मशीन में गर्म पानी का तापमान कम करने से बिजली बचाई जा सकती है। एसी का इस्तेमाल करते समय, खिड़कियों पर पर्दे लगाएं ताकि कमरे की ठंडक बाहर न निकले। एसी फिल्टर को हर पंद्रह दिन में एक बार साफ करने से कंप्रेसर पर लोड कम होता है, जिससे ऊर्जा की बचत होती है। एसी को सीधे धूप से बचाएं, ताकि बिजली की खपत कम हो सके। माइक्रोवेव ओवन पारंपरिक इलेक्ट्रिक या गैस स्टोव की तुलना में कम ऊर्जा की खपत करते हैं। नया इलेक्ट्रॉनिक्स रेगुलेटर पुराने किस्म के रेगुलेटर की तुलना में अधिक ऊर्जा बचाता है। इन उपायों से ऊर्जा संरक्षण में अपनी भूमिका निभा सकते हैं। *

हर्बल इलेक्ट्रो होम्योपैथी मेडिसिन द्वारा संभव है
कैंसर का इलाज बिना किमो-बिना रेडिएशन

देवी अहिल्या कैंसर अस्पताल इंदौर

NO CHEMO THERAPY
- स्पष्ट प्रभाव परिणाम
- कम खर्चिला
- उच्चतम सफलता दर
- कैंसर की अंतिम स्टेज पर भी प्रभावशाली उपाय

NO RADIO THERAPY
- दर्द रहित इलाज
- कोई दुष्प्रभाव नहीं
- सफल इलाज के रिकार्डस
- अच्छे अनुभवी डॉक्टर

www.dahrc.in

HELPLINE 9584040131

कैंसर की जंग में हम आपके साथ हैं ...

1, आनंद नगर, चितावद, नेमावर रोड, नवलखा, इंदौर
फोन-0731-4084422 | 9685029784

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

निर्भीक-बेबाक आत्मकथा

वरिष्ठ साहित्यकार उद्भ्रांत की आत्मकथा 'मैंने जो जिया' का तीसरा खंड 'काली रात का मुसाफिर' हाल में छपकर आया है। इसमें उन्होंने वर्ष 1987 से 1995 तक की अवधि के अपने जीवन का वर्णन किया है। कुल इक्कीस अध्यायों में बंटे उनकी इस अवधि की जीवनयात्रा में आए अनेक पहलू उजागर हुए हैं। इन अध्यायों के शीर्षक उन्होंने अपनी कविताओं से ही लिए हैं, जो उनके जीवन संघर्ष को प्रभावी ढंग से व्यक्त करते हैं। इससे गुजरते हुए यह साबित होता है कि वे अपने जीवन में एकसाथ कई मोर्चों पर संघर्ष करते रहे हैं। चाहे कार्यस्थल हो, पारिवारिक जीवन हो या साहित्य जगत, उन्होंने बिना किसी पक्षपात के पूरी बेबाकी से अपनी गाथा लिखी है। कहने की जरूरत नहीं कि यह ईमानदारी ही इस आत्मकथा को और भी महत्वपूर्ण बनाती है। बहुस्तरीय द्वंद्वों के बावजूद वे कैसे अपनी रचनाशीलता बचाए रखते हैं, यह नए रचनाकारों के लिए प्रेरक हो सकता है। औपन्यासिक शैली में लिखे जाने के कारण इसे पढ़ने में रोचकता और बढ़ जाती है क्योंकि इसमें वह स्वयं एक पात्र के रूप में नजर आते हैं। *

पुस्तक: काली रात का मुसाफिर (आत्मकथा), **लेखक:** उद्भ्रांत, **मूल्य:** 499 रुपए, **प्रकाशक:** अमन प्रकाशन, कानपुर

व्यंग्य / विनय मोघे

मंच पर दूल्हा-दुल्हन के बगल में बैठने वालों के हाथों में या खुद दूल्हा-दुल्हन के गले में भी क्यू आर कोड लटकाया जा सकता है। दूल्हे को नोटों की माला पहनाने के स्थान पर क्यू आर कोड की माला पहनाने से भी मेहमान अपना-अपना नेग चलते-फिरते भी दे सकेंगे।

शगुन@क्यूआर कोड

हाल ही में मुझे एक शादी समारोह में जाना था। कहीं भी सपरिवार पहुंचने में मुझे हमेशा देर ही हो जाती है। इसका कारण विश्वव्यापी है। श्रीमती जी को तैयार होने में देरी। पर उस दिन अनहोनी हो गई। मैं अपने मित्र के पुत्र की शादी में जरूरत से कहीं जल्दी पहुंच गया वह भी सपरिवार। उसके बाद शुरू हुआ गलतफहमियों का दौर। पहली गलतफहमी हमको हुई कि कहीं गूगल ने हमें गलत पते पर तो नहीं पहुंचा दिया है। उसके बाद वहां हमसे भी पहले पहुंचे कुछ लोगों को गलतफहमी हुई। किसी ने हमें टेंट वाला, डीजे वाला, केटरर्स, बैंड, बग्गी वाला और न जाने क्या-क्या समझ लिया। हम वहां जल्दी पहुंचने पर शर्मिंदा हो रहे थे। यह घटनास्थल भी शहर से बहुत दूर सूनसान इलाके में था, जहां आस-पास भी टाइम पास करने की कोई जगह नहीं थी। सो मैंने पत्नी से घर वापस चलने के लिए कहा पर वह तैयार नहीं हुईं, क्योंकि घर जाकर खाना बनाने का उनका मूड नहीं था। रास्ते में किसी होटल में खा लेंगे, मेरे ऐसा कहने पर वह तैयार हुईं। पर अब दूसरी समस्या थी कि साथ लाए शगुन के लिफाफे को किसे देकर जाएं ताकि हमारी उपस्थिति दर्ज हो जाए। पर उस जगह वहां ऐसा कोई नहीं था, जिसे हम लिफाफा सुपुर्द कर सकते। तो हमने लिफाफे के साथ ही घर के लिए प्रस्थान किया।

घर तक पहुंचने के एक घंटे के सफर में मैंने शादियों में क्यू आर स्कैनर के उपयोग पर बहुत गंभीरता से विचार किया। मैंने सोचा कि यदि आज उस जगह पर क्यू आर स्कैनर लगा होता तो हमें अपना लिफाफा वापिस ले जाने की नौबत नहीं आती। यदि क्यू आर कोड, निमंत्रण पत्र पर ही छपवा दें तो जो लोग शादी में नहीं आ सकते, वे भी अपनी आशीर्वाद राशि घर बैठे दे सकते हैं। शादी समारोह स्थल के मुख्य द्वार पर भी क्यू आर कोड लगाया जा सकता है। उन लोगों के लिए, जो बाहर से ही कल्टी मारना चाहते हैं। उसके बाद मंच पर दूल्हा-दुल्हन के बगल में बैठने वालों के हाथों में या खुद दूल्हा-दुल्हन के गले में भी क्यू आर कोड लटकाया जा सकता है। दूल्हे को नोटों की माला पहनाने के स्थान पर क्यू आर कोड की माला पहनाने से भी मेहमान अपना-अपना नेग चलते-फिरते भी दे सकेंगे। खाने की प्लेट पर भी क्यू आर कोड प्रिंट करवाया जा सकता है। जैसे ही खाने के लिए प्लेट उठाओ पहले पेमेंट करो बाद में खाना खाओ। यह तो हुई मेहमानों के लिए क्यू आर स्कैनर की बात। अब जरा वर-वधु पक्ष और अन्य पक्षों के लिए क्यू आर कोड की भी बात कर ली जाए।

दूल्हे की सालियां जूते छिपाने वाली रस्म का नेग अपने क्यू आर कोड पर लेने लगेंगी तो कैसा लगेगा! यदि एक साली हुई तब तो ठीक पर इसकी संभावना कम ही है। एक से ज्यादा सालियां होने पर क्यू आर कोड का उपयोग करना मुश्किल होगा। यदि शगुन की रकम कम ज्यादा हुई तो जूते के शगुन के लिए सालियों में ही संघर्ष होने की संभावना हो सकती है।

पंडितजी भी अपना क्यू आर कोड लेकर बैठेंगे और समय-समय पर अपनी दक्षिणा लेते रहेंगे। बैंड-बाजे और ढोलक वालों को अपना नेग लेने में थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। उन्हें दो-तीन काम एक साथ करने होंगे। बजाना भी होगा, नेग देने वालों पर नजर रखकर अपना क्यू आर कोड रेंज में रखना होगा। बैंड-बाजे, ढोलक और लाइट वालों को वैसे भी इसकी आदत है। यह भी हो सकता है कि बारात की विदाई के मौके पर दूल्हे का बाप अपना क्यू आर कोड लेकर अड़ जाए कि जब तक फलां रकम का भुगतान मेरे क्यू आर कोड पर नहीं होगा, बारात यहां से नहीं जाएगी। आप तो बस देखते जाइए आगे होता है क्या-क्या! *

हरिभूमि रविवार भारती
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 14 दिसंबर 2025

पर्यटन स्थल
वीना गौतम

प्राकृतिक सौंदर्य-आनंद का अरण्य
नंदन कानन वन

कई पुराणों, रचनाओं में वर्णित नंदन वन आज भी अपने नैसर्गिक सौंदर्य के साथ उपस्थित है। यहां पहुंचकर आनंद और प्रकृति के सान्निध्य की अनोखी अनुभूति होती है। नंदन वन के सौंदर्य और महत्ता को पुनः हासिल करना चाहते हैं, तो हमें नंदन वन को संरक्षण देना होगा। इस वन की विशेषताओं और महत्ता के बारे में जानिए।

नंदन वन-यह शब्द सुनते ही मन में एक दिव्य, हरा-भरा और संगीतपूर्ण वातावरण का चित्र उभरता है। वास्तव में यह केवल एक भौगोलिक स्थल भर नहीं बल्कि आध्यात्मिक और सांस्कृतिक प्रतीक है। जिस तरह अपने देश में स्थित दंडकारण्य को युगों पहले तप और त्याग की भूमि माना जाता रहा था और नैमिषारण्य को ज्ञान की स्थली माना जाता था। उसी तरह नंदन वन आनंद, सौंदर्य और प्राकृतिक सामंजस्य की भूमि के तौर पर जाना जाता है।

प्राचीन-पौराणिक उल्लेख

इस वन का उल्लेख वेद, महाभारत, रामायण, भागवत पुराण और विष्णु पुराण में स्वर्गलोक के बागीचे के रूप में मिलता है। लेकिन इसकी पृथ्वीलोक में भी अपनी भौतिक उपस्थिति थी, जहां पुण्य आत्माएं अपने कर्मों के मुताबिक विश्राम करती थीं। अगर हम पौराणिक दृष्टि से देखें तो महर्षि नारद और इंद्र के संवादों में बार-बार नंदन वन का उल्लेख मिलता है। कुल मिलाकर प्रतीकात्मक अर्थ में नंदन वन, मनुष्य के भीतर सौंदर्य, आनंद और आत्मिक शांति का प्रतीक माना जाता रहा है, जो हमें यह याद दिलाता है कि सच्चा आनंद और सौंदर्य बाहरी वस्तुओं से नहीं बल्कि भीतरी मन और प्राकृतिक संतुलन में ही संभव है।

अब हो गया नंदन कानन वन

यहां जिस नंदन वन की ऐतिहासिकता और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का उल्लेख कर रहे हैं, वह अब नंदन कानन वन के नाम से जाना जाता है, जो मौजूदा ओडिशा राज्य में एक आधुनिक अभ्यारण्य के रूप में मौजूद है। यह नंदन कानन वन, जैविक उद्यान या जियोलॉजिकल पार्क के रूप में भी जाना जाता है, यह प्राचीन और पौराणिक नंदन वन का आधुनिक रूप है। यह उद्यान भुवनेश्वर से करीब 15 किलोमीटर दूर जूनागढ़ वन क्षेत्र में स्थित है, जिसका नामकरण 29 दिसंबर 1960 को 'नंदन कानन' के रूप में हुआ था।

रहते हैं कई प्रजातियों के जंतु

आज की तारीख में नंदन कानन महज जैविक उद्यान भर नहीं है बल्कि भारत के प्रमुख चिड़ियाघरों में से एक है। 437 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैले इस जैविक उद्यान में 157 प्रजातियों के तकरीबन 3517 से अधिक जानवर रहते हैं। इनमें सफेद बाघ, शेर, हाथी, मगरमच्छ और विभिन्न प्रजातियों के पक्षी शामिल हैं। यह उद्यान केवल वन्यजीवों का संरक्षण नहीं करता बल्कि पर्यावरणीय शिक्षा और जैव विविधता के महत्व को भी बढ़ावा देता है। यहां की व्हाइट टाइगर सफारी, लायन सफारी और बटरफ्लाई पार्क पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र हैं।

पर्यावरणीय-सांस्कृतिक महत्ता

नंदन कानन जैविक उद्यान का आज की तारीख में पौराणिक से ज्यादा पर्यावरणीय महत्व है। यह स्थान न केवल वन्यजीवों का घर है बल्कि जैव विविधता, पर्यावरणीय शिक्षा और प्राकृतिक सौंदर्य का भी केंद्र है। यहां स्थित कंजिया झील और आस-पास के जंगल क्षेत्र वन्यजीवों के लिए प्राकृतिक आवास प्रदान करते हैं और देश के दूर-दूर से आए पर्यटकों को प्रकृति के समीप आने का एहसास कराते हैं। सांस्कृतिक दृष्टिकोण से नंदन वन भारतीय लोककला, संगीत और साहित्य की प्रेरणा का भी स्रोत है। यहां के प्राकृतिक सौंदर्य और शांति ने अनेक रचनाकारों को अपनी रचनाएं लिखने के लिए प्रेरित किया है। नंदन वन प्रकृति के संतुलन और सौंदर्य का संरक्षण करता है। यह हमें याद दिलाता है कि प्रकृति आनंद का स्रोत है। यह इसके उपभोग का जरिया नहीं है। जैव विविधता का संरक्षण, जलवायु संतुलन और वृक्षारोपण की भावना इसी नंदन वन की संस्कृति का हिस्सा है।

कई रचनाओं में है उल्लेख

चाहे वेदों, पुराणों में वर्णित नंदन वन हो या आज भारत के कई क्षेत्रों में स्थित अलग-अलग नंदन वन, सभी का उद्देश्य पृथ्वी के सौंदर्य और प्राकृतिक संपन्नता से है। इनका वर्णन कई रचनाकारों ने किया है। किसी कवि ने लिखा है- *वृक्ष वंदन हों, नदियां गान करें/ और मन में निर्मल आनंद बहे/ तो समझो हम नंदन वन में हैं।* कुछ इसी प्रकार प्रसिद्ध कवि जयदेव के 'गीत गोविंद' में नंदन वन का रूपक मिलता है। इसी तरह अनेक लोकगीतों में नंदन वन का आनंद जैसी पंक्तियां आती हैं। इसलिए यह केवल एक स्थान नहीं बल्कि मन और आत्मा को दिव्य अनुभव देता है। इसलिए आज यह हमारी जिम्मेदारी है कि नंदन वन के महत्व को समझें, उसके संरक्षण का प्रयास करें। *

देश में और भी हैं नंदन वन

जहां तक हम पुराणों में उल्लिखित नंदन वन की कल्पना करते हैं, तो वह अकेला नंदन कानन वन क्षेत्र ही नहीं है। बल्कि देश के कई अलग-अलग क्षेत्रों में मौजूद कुछ वनों को भी प्राचीन काल से नंदन वन ही कहा जाता रहा है। एक नंदन वन का रिश्ता छत्तीसगढ़ के नंदन वन जैव उद्यान से है, जो कि वहां की राजधानी रायपुर में स्थित है। छत्तीसगढ़ का यह नंदन वन 202 हेक्टेयर में फैला है और यहां भी बाघ, शेर, भालू, हाथी, मोर, मगरमच्छ जैसी जीव प्रजातियों का घर है। इस आधुनिक नंदन वन का उद्देश्य जैव विविधता को संरक्षण देना और पर्यावरण के साथ-साथ ग्रीन टूरिज्म को बढ़ावा देना है। इसके साथ ही देश के एक और पहाड़ी क्षेत्र में ऐसा ही नंदन वन स्थित है। यह उत्तराखंड में स्थित है और यह भी हिमालयी क्षेत्र का प्राकृतिक उद्यान है। इसके परिक्षेत्र में आने वाले कई क्षेत्र जैसे कौसानी, रानीखेत, औली आदि में लोग इसे नंदन वन ही पुकारते हैं। यहां की सुंदरता, देवदारों की सुगंध और हिमालय का वैभव, इस वन क्षेत्र को एक दिव्यता प्रदान करता है।

आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली ऊपर से नकारात्मकता, असुरक्षा, डर का माहौल। ऐसे में चिंता, तनाव या भ्रम की स्थिति होना स्वाभाविक है। इस स्थिति को कैसे हैंडल करें कि आप हैप्पी-कूल रह सकें? आपके लिए उपयोगी सलाह।

लाइफस्टाइल
शिखर चंद जैन

चिंता-तनाव को करें दूर
रहें हमेशा टेंशन-फ्री

वर्तमान समय में हर किसी की जिंदगी में कशमकश, तनाव और चिड़चिड़ापन व्याप्त है। हिंसा, चोरी, ठगी, अन्याय या प्रतिशोध जैसी घटनाएं आम होती जा रही हैं। जिस तरह आज के दौर में नकारात्मकता, हिंसा और वैचारिक प्रदूषण नजर आ रहा है, ऐसा पहले नहीं था। ऐसे में व्याकुलता, झुंझलाहट या भ्रम की स्थिति उत्पन्न होना स्वाभाविक ही है। यह सच है कि दूसरों के विचारों, उनके क्रियाकलापों पर आपका नियंत्रण नहीं है, लेकिन कुछ छोटी-छोटी बातें अपना कर आप स्वयं को शांत, खुश और संयत रख सकते हैं।

किसी अजनबी की तारीफ करें: न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रकाशित एक अध्ययन की रिपोर्ट बताती है कि किसी अजनबी द्वारा की गई साधारण सी तारीफ भी न केवल किसी का दिन बना सकती है बल्कि उस व्यक्ति के आत्मविश्वास में भी इजाफा कर सकती है। आप ऐसा करेंगे तो न सिर्फ अजनबी को बल्कि आपको भी खुशी मिलेगी। आप लोगों के साथ ऐसा व्यवहार करेंगे तो वहां उपस्थित दूसरे लोग भी यकीनन आपके साथ सकारात्मक व्यवहार करेंगे। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी की एक्सपर्ट डॉक्टर डेबोरा ब्लम ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा है कि अजनबियों के साथ दोस्ताना व्यवहार से आप बेहतर महसूस करते हैं।

कम गहरे रिश्तों को दें महत्व: हमें अपने सामाजिक और व्यक्तिगत संबंधों का दायरा कुछ बेहद खास, गिने-चुने लोगों तक ही संकुचित नहीं रखना चाहिए। नए दोस्तों को अपने जीवन में शामिल करना फायदेमंद होता है। ये नए रिश्ते न केवल हंसी-खुशी में योगदान करते हैं बल्कि कई तरह की मानसिक जरूरतों को भी पूरा करते हैं। कम गहरे रिश्ते में एक-दूसरे से बड़ी-बड़ी उम्मीदें, ईर्ष्या और कुंठा की संभावनाएं भी कम होती हैं। इससे मन कम आहत होता है।

विचारों का विश्लेषण करें: विचारों का हमारे तन-मन पर गहरा असर पड़ता है। जब बहुत सारे विचार उलझ गए हों और आप परेशान रहने लगे हों तो विचारों का एनालिसिस शुरू करें। हर दिन की समाप्ति पर अपने विचारों को तीन भागों में बांट लें। प्रेरक, सामान्य और नकारात्मक। नकारात्मक विचारों को दूसरे नजरिए से देखें-सोचें। इसे ऐसे सोचें, 'यह सब मेरे नियंत्रण में नहीं। लेकिन मैं सावधान रहूंगा और गलत चीजों से दूर रहूंगा।'

खुद को शक्तिशाली समझें: अकसर लोग आस-पास के कोलाहल, अव्यवस्था आदि से घबरा जाते हैं या भयभीत हो जाते हैं। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि हमें स्वयं को सक्षम, समझदार और शक्तिशाली समझना चाहिए। इससे व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन आते हैं और दुनिया की वास्तविकताओं का हम सामना कर पाते हैं। इससे हम भ्रम, भय और संशय से मुक्त रहेंगे।

रोज कुछ अच्छा देखने का प्रयास करें: आपको अच्छी चीजें खोजने, उन्हें देखने और महसूस करने की आदत डालनी चाहिए। 'एंज्वॉइंग एवरीडे ब्यूटी' पुस्तक में इस संदर्भ में बहुत अच्छी बात कही गई है- यदि आप आस-पास की छोटी चीजों में सौंदर्य खोजने लगें तो यह आपके जीवन को सकारात्मकता और आनंद से भर सकता है।

सूचनाओं का एक्सपोजर कम करें: बहुत सारी सूचनाएं देखकर, पढ़-सुनकर भी हमारा मन नकारात्मक और अशांत हो जाता है। हमें अपने मतलब और काम भर की सूचनाओं पर ही फोकस करना चाहिए। यहां बताई गई इन बातों का ध्यान रखकर आप चिंता और तनाव से मुक्त रह सकते हैं। *

विंटर एसेसरीज
विवेक कुमार

ये ट्रेंडी-स्टाइलिश ग्लव्स देंगे
हॉट फील-कूल लुक

सर्दी के मौसम में ठंड से बचने के लिए गर्म ड्रेसेस, एसेसरीज तो सभी कैरी करते हैं। लेकिन यंगस्टर्स उसमें भी ऐसी चीजों को प्रेफर करते हैं, जो उन्हें स्टाइलिश लुक भी दे। इसीलिए विंटर ग्लव्स अब सिर्फ यंगस्टर्स के हाथों को गर्म रखने वाली एसेसरीज नहीं हैं बल्कि ये विंटर सीजन के लिए उनके स्टाइल स्टेटमेंट बन चुके हैं। बाजार में उपलब्ध ग्लव्स के नए-नए डिजाइन, टेक फ्रेंडली फैब्रिक और स्पोर्टी अर्बन लुक भी इनकी बढ़ती पॉपुलैरिटी का कारण है।

फैशनेबल दिखाएं: इन दिनों बाजार में अनेक तरह के ग्लव्स मिल रहे हैं, जो विशेष तौर पर फैशन पसंद युवाओं के लिए सर्दी का खास पहनावा बन गए हैं। विंटर ग्लव्स की बढ़ती डिमांड के कारण आजकल बाजार में विंटर ग्लव्स की बहार आई हुई है। डबल लेयर्ड, वाटर रेसिस्टेंट और विंड प्रूफ मैटेरियल से बनने वाले विंटर ग्लव्स इन दिनों युवाओं के एसेसरीज नंबर-वन बने हुए हैं।

हाथों को देते हैं गर्माइश: सर्दी के मौसम में हथेलियों में ठंड लगने की वजह से कोई भी काम करने में असुविधा होती है। हाथों को सर्दी से बचाने के लिए नरम ऊन, फ्लीस या न्यूट्रिन से बने ग्लव्स न केवल हाथों की गर्मी को अंदर ही कैद रखते हैं बल्कि यह बाहरी ठंड को भी अंदर नहीं घुसने देते। कहने का मतलब, ये ग्लव्स सर्दियों में हाथों को भरपूर गर्माइश देते हैं। शहरी युवाओं के बीच ये ग्लव्स फैशनेबल एसेसरीज के रूप में जाने जाते हैं।

टच स्क्रीन ग्लव्स: आज के दौर में मोबाइल या लैपटॉप हमारे कामकाजी जीवन के साथ-साथ डेली लाइफस्टाइल का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए बाजार में अब ऐसे ग्लव्स भी मिल रहे हैं, जिनको पहनकर आप अपने मोबाइल, टैब और लैपटॉप को आराम से ऑपरेट कर सकते हैं। ये टच स्क्रीन फ्रेंडली ग्लव्स, युवाओं में बेहद लोकप्रिय हैं। इन ग्लव्स में अंगूठे और तर्जनी पर विशेष किस्म के कंडक्टिव फाइबर की वजह से इन्हें पहनकर मोबाइल, स्मार्ट वाच या टैबलेट को आसानी से चलाया जा सकता है। कॉलेज गोइंग स्टुडेंट्स, कैब ड्राइवर, डिलिवरी ब्वॉय और आईटी सेक्टर में काम करने वाले युवाओं के लिए यह पहली पसंद है।

बाइक राइडर के लिए: सर्दियों में बाइक चलाते समय ठंडी हवा के तेज झोंके हाथों को सुन्न कर देते हैं, जिसके कारण हैंडल को नियंत्रित करने में मुश्किल आती है। इसलिए पाम गार्ड ग्लव्स, लेदर ऑल सीजन ग्लव्स और ग्रिप एनहैंस ग्लव्स की भी सर्दियों में जबर्दस्त मांग होती है। इस बार बाजार में रिफ्लेक्टिव स्ट्रिप्स, एंटी स्लीप टेक्सचर और थर्मल पैडिंग वाले ग्लव्स बाइक चलाने वाले युवाओ की जबरदस्त पसंद बने हुए हैं। *

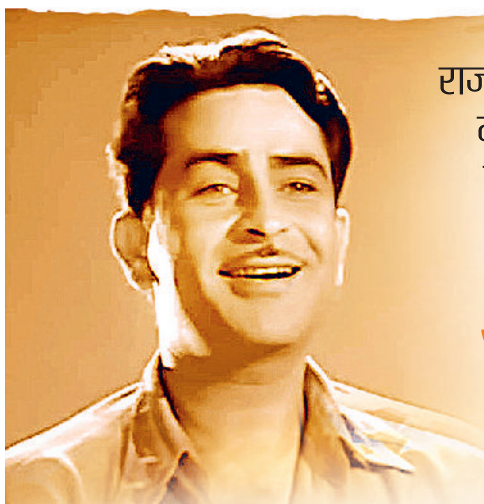

राज कपूर का जिक्र किए बिना हिंदी सिनेमा की बात अधूरी ही रहेगी। केवल अभिनय में ही नहीं, फिल्म निर्माण और निर्देशन में भी उनका अंदाज सबसे निराला था। उनकी कई फिल्मों को क्लासिक का दर्जा हासिल है। राज कपूर की जयंती (14 दिसंबर) पर हिंदी फिल्मों में उनके योगदान पर एक नजर।

अनोखे फिल्मकार-लाजवाब अभिनेता थे
हिंदी फिल्मों के पहले शोमैन राज कपूर

यादें / मनोज प्रकाश

हिंदी फिल्मों के ज्यादातर दर्शक थिएटर इस उद्देश्य से जाते हैं कि वे रुपहले पर्दे के सामने बैठकर कुछ देर के लिए बाहर की दुनिया को भूलकर सिनेमा के संपूर्ण मनोरंजन में डूब जाएं। दर्शकों की इस सोच और कसौटी पर पूरी तरह खरी उतरती हैं राजकपूर की फिल्में।

'शोमैन' से कहीं आगे

राजकपूर को हिंदी सिनेमा का पहला 'शोमैन' कहा जाता है, लेकिन उनकी शख्सियत इससे भी कहीं बढ़कर थी। उन्होंने जितनी भी फिल्में बनाईं, सभी में दर्शकों को हर प्रकार से भरपूर मनोरंजन मिला। उन्होंने संदेशपरक फिल्में भी बनाईं, उनकी ऐसी फिल्मों की कहानी और उसका प्रस्तुतिकरण भी लाजवाब हुआ करता था। संगीत, गीत, लोकेशन हो, चाहे फिल्म में काम कर रहे अभिनेता-अभिनेत्री हों या फिर विलेन ही क्यों न हों, सभी को देखकर लगता ही नहीं कि हम कोई सिनेमा देख रहे हैं। नायक-नायिका से लेकर फिल्म के सभी पात्र, यहां तक कि फिल्म की कहानी भी आस-पास के ही होने का अहसास कराते थे। यह प्रभाव, यही जादू था राजकपूर की फिल्मों का।

फिल्म मेकिंग की हर विधा में माहिर

राज कपूर फिल्म निर्माण के हर पक्ष में माहिर थे। बात अभिनय की हो, गीत-संगीत चुनने की, नायक-नायिका के ड्रेस सेलेक्शन की, लोकेशन डिसाइड करने की, कहानी समझने या निर्देशन कौशल की बात हो या फिर कैमरामैन के साथ बैठकर फिल्मांकन कराना, हर जगह उनकी एक स्पेशल छाप दिखती थी। उनकी यूनिट में शामिल क्लैप ब्वॉय से लेकर पर्दे के पीछे तक रहने वालों तक पर वह पैनी नजर रखते थे। आज भी एक्टर्स-डायरेक्टर्स उनके एक्टिंग और डायरेक्शन की बारीकियां देखते हैं, सीखते-समझते हैं, उनसे इंस्पायर होते हैं। आज भी जब-तब फिल्मों में राज कपूर का प्रभाव नजर आ जाता है।

फिल्म 'आवारा' में राज कपूर का अंदाज था निराला

'मेरा नाम जोकर' में राज कपूर ने किया शानदार अभिनय

दी कई यादगार फिल्में

1935 से लेकर 1988 तक राजकपूर ने 70 फिल्मों में अभिनय किया। 17 फिल्मों का निर्माण और 10 फिल्मों का निर्देशन किया। इन फिल्मों में से कुछ को छोड़कर राज कपूर की ज्यादातर फिल्मों की गिनती आज भी हिंदी सिने जगत की बेहतरीन फिल्मों में होती है। फिल्म 'मेरा नाम जोकर', शुरुआत में नकारी गई, लेकिन बाद में इस फिल्म ने तीन नेशनल अवार्ड जीतकर बता दिया कि जोकर ताश की गड्डी का सरताज होता है और किसी को भी मात दे सकता है। फिल्म का वह गीत 'अपने पे हंस के, जग को हंसाया, बन के तमाशा मेले में आया' आज जब हर कहीं दूसरे को रुलाने का दौर है, तब खुद पर हंसकर दूसरे को हंसाने वाले 'जोकर' की प्रासंगिकता समझ में आती है।

मिला भरपूर मान-सम्मान

राज कपूर ने अपने पिता पृथ्वीराज कपूर की लिगेसी को न सिर्फ कायम रखा बल्कि इसे आगे भी बढ़ाया। अपनी आने वाली पीढ़ियों के साथ-साथ पूरे हिंदी फिल्म जगत के लिए एक समृद्ध विरासत छोड़कर गए राज कपूर। एक तथ्य यह भी है कि कपूर फैमिली के तीन सदस्यों को दादा साहेब फाल्के अवार्ड से सम्मानित किया गया है। पृथ्वीराज कपूर, राज कपूर और शशि कपूर, दादा साहेब फाल्के से सम्मानित हो चुके हैं। राजकपूर को पद्मभूषण से भी सम्मानित किया गया था। इसके अलावा उन्हें तीन राष्ट्रीय पुरस्कार और ग्यारह फिल्मफेयर अवार्ड्स सहित कई अन्य पुरस्कार प्राप्त हुए। उनकी फिल्मों के गाने आज भी शादी-विवाह एवं अन्य अवसरों पर गाए-बजाए जाते हैं। 'मेरा जूता है जापानी...फिर भी दिल है हिंदुस्तानी' तो एक समय में पूरे देश में सुना जाता था और लोग उसे खूब गाते-गुनगुनाते थे।

फिल्माए यादगार गीत-दृश्य

राज कपूर की फिल्मों के कई गीत और उनके दृश्य आज भी दर्शकों के मन पर अंकित हैं। घर में आटा गूंथती स्त्री के माथे पर आने वाली लटें, 'हम तुम एक कमरे में बंद हों', 'झूठ बोले कौआ काटे', 'आवारा हूं या गर्दिश में हूं आसमान का तारा हूं', 'जीना यहां मरना यहां, इसके सिवा जाना कहां', 'कहता है जोकर सारा जमाना, आधी हकीकत आधा फसाना', 'सुन साहिबा सुन' जैसे तमाम गीत और इनके लोकेशंस आज भी भुलाए नहीं भूलते! ये वो सदाबहार गीत हैं, जो आज भी लोगों की जुबान पर आते रहते हैं और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर ट्रेंड भी करते रहते हैं।

अंदाज था निराला

राज कपूर के फिल्मांकन में निरालापन हर कहीं देखा जा सकता है। उनकी फिल्मों में हास्य की बात करें तो वहां फूहड़ता नहीं, एक किस्म की निश्छलता और भोलापन दिखता है। पर्दे पर उनकी निश्छल हंसी सभी का मन मोह लेती और हंसाती, गुदगुदाती थी। कई बार हंसाते-हंसाते रुलाती भी थी। इस मामले में राज कपूर की तुलना अकसर चार्ली चैपलिन से की जाती है।

तमाम आलोचनाओं के बावजूद इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि 'सत्यम शिवम सुंदरम', 'राम तेरी गंगा मैली', 'श्री चार सौ बीस', 'आवारा', 'जागते रहो', 'बरसात', 'आग' जैसी फिल्में और इनके कुछ दृश्य 'क्लासिक' हैं। सामाजिकता को अपनी फिल्मों का विषय बनाकर उसे मनोरंजन के साथ पेश करना और रोमांटिक सींस में भी पवित्र प्रेम को दिखाना सिर्फ राज कपूर के द्वारा ही संभव था। *